हिन्दी साप्ताहिक

भारत निविदा लाईन समाचार

भारत निविदा लाईन समाचार पत्र

क्राइम की हर खबर....

■ वर्ष : 19 ■ अंक: 40 ■ नई दिल्ली 31 जुलाई से 06 अगस्त 2026 ■ पृष्ठ : 08 ■ मूल्य : 02 रुपए

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज गिल

एक नजर

प्रधानमंत्री मोदी से नेतन्याहू ने की टेलीफोन पर बात

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से गुरुवार शाम इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने टेलीफोन पर बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल के बीच बढ़ते रणनीतिक संबंधों की समीक्षा की और आपसी सहयोग को लगातार मजबूत करने पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल के बीच रक्षा, कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार और अन्य क्षेत्रों में जारी सहयोग पर चर्चा की। दोनों देश अपनी विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करेंगे, जिससे दोनों देशों को लाभ मिलेगा। प्रधानमंत्री मोदी और नेतन्याहू ने पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रम पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। दोनों नेताओं ने क्षेत्र की मौजूदा स्थिति पर चर्चा करते हुए संपर्क बनाए रखने पर सहमति व्यक्त की।

विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना का दावा गलत: नायडू

नई दिल्ली, एजेंसी। नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापू राम मोहन नायडू ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना के दावों को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा है कि ऐसी बातों से हवाई यात्रियों में अनावश्यक चिंता पैदा होती है। श्री नायडू ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि यह दावा पूरी तरह से झूठा और गैर-जिम्मेदाराना है कि सरकार की विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की योजना है। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी भी योजना का प्रस्ताव नहीं है। उल्लेखनीय है कि मीडिया में इस तरह की खबरें आई थीं कि सरकार ने विमान ईंधन में एथेनॉल मिलाने की अनुमति दे दी है। इसके बाद आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया पर कहा था कि ऐसे ईंधन से विमान का इंजन कभी भी बंद हो सकता है और यात्रियों की जान का खतरा हो सकता है। श्री नायडू ने स्पष्ट किया कि हरित विमान ईंधन एथेनॉल से अलग है। उन्होंने लिखा, एथेनॉल और हरित विमान ईंधन पूरी तरह अलग-अलग ईंधन हैं और इन्हें एक-दूसरे के समान नहीं माना जाना चाहिए। हरित विमान ईंधन एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित विमानन ईंधन है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन द्वारा मान्यता प्राप्त है और दुनिया भर में अपनाया गया है।

केंद्र ने गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर के विकास को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने असम में एनएच-15 के 135.871 किलोमीटर लंबे चार लेन वाले गुवाहाटी-तेजपुर कॉरिडोर के विकास को मंजूरी दे दी है। परियोजना एनएच(ओ) के तहत निर्मित-संचालन-स्थानांतरण (बीओटी) टोल मॉडल पर 8970.20 करोड़ रुपये की लागत से विकसित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने गुरुवार को इसे मंजूरी दी। परियोजना में तेजपुर बाईपास में एक आपातकालीन लैंडिंग सुविधा (ईएलएफ) (4.9 किलोमीटर) का निर्माण शामिल है। इसे भारतीय वायु सेना के समन्वय से अंतिम रूप दिया गया है। इससे ब्रह्मपुत्र नदी के दक्षिणी किनारे पर स्थित मौजूदा एनएच-27 (पूर्व-पश्चिम कॉरिडोर) पर यातायात जाम कम होगा। केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने गुरुवार को राष्ट्रीय मीडिया केंद्र में पत्रकार वार्ता में बताया कि परियोजना में 58.7 किलोमीटर लंबाई के 5 प्रमुख बाईपास का निर्माण भी शामिल है।

लोकसभा और राज्यसभा में फिर हंगामा

किरेन रिजिजू ने दिया नियमों का हवाला

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा व लोकसभा में गुरुवार को भी जोरदार हंगामा हुआ। हंगामे के कारण दोनों ही सदनों की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर बाद ही स्थगित हो गई।

कार्यवाही स्थगित किए जाने से पहले, राज्यसभा में हंगामे के बीच बोलते हुए संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष व नेता प्रतिपक्ष पर संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। राज्यसभा में हंगामे के बीच किरेन रिजिजू ने विपक्ष को नियमों की याद दिलाई। राज्यसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होने के कुछ देर तक शांति बनी रही। इस दौरान विभिन्न रिपोर्टों व पेपर सदन में रखे गए।

इसके ठीक बाद शून्यकाल की कार्यवाही शुरू होके ही किए जाने से पहले विपक्षी सांसदों ने जमकर नारेबाजी की। विपक्ष के कई सांसद प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस बल के उपयोग को मुद्दा सदन में उठाना चाहते थे। इसको लेकर सदन में लगातार हंगामा व नारेबाजी होती रही। हंगामे के बीच संसदीय कार्य मंत्री

किरेन रिजिजू ने विपक्ष, खासकर नेता प्रतिपक्ष पर संसदीय नियमों के उल्लंघन का आरोप लगाया। किरेन रिजिजू की बातों का जवाब देने के लिए नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जैसे ही खड़े हुए तो सदन में और हंगामा शुरू हो गया। अब सत्ता पक्ष व विपक्षी सांसदों ने एक साथ बोलने शुरू कर दिया। सदन में हंगामा बढ़ता देख सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सदन की कार्यवाही से जुड़े नियमों का हवाला देते हुए विपक्षी सदस्यों से व्यवस्था बनाए रखने को कहा। रिजिजू ने कहा कि राज्यसभा के नियम स्पष्ट करते हैं कि कोई भी सदस्य जब बोल रहा हो, तब उसे बीच में बाधित नहीं किया जा सकता। किसी सदस्य के भाषण के दौरान शोर-शराबा करना, अव्यवस्थित टिप्पणियां करना, लगातार टोका-टोकी करना या किसी भी तरह से सदन की कार्यवाही में व्यवधान डालना संसदीय नियमों के विरुद्ध है।

उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही नियमों के अनुसार चलनी चाहिए और बार-बार एक ही बात दोहराना संसदीय परंपराओं के अनुरूप नहीं है। राज्यसभा के नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि यदि कोई सदस्य एक बात को बार-बार दोहराता रहता है और लगातार अप्रासंगिक बातें करता है, तो सभापति पहले उसका ध्यान इस ओर आकर्षित कर सकते हैं। इसके बाद भी यदि सदस्य नहीं मानता, तो सभापति उसे अपना भाषण रोकने का निर्देश दे सकते हैं।

उन्होंने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के लिए कहा कि वे सदन में रोज वही बातें दोहराते हैं। सदस्य खड़े होकर हर दिन एक जैसी बातें कहते हैं। यह लगातार दोहराव है और नियमों के खिलाफ है। रिजिजू ने विपक्ष के नए सदस्य व कांग्रेस सांसद पवन खेड़ा के लिए कहा कि वह अभी हाल ही में संसद पहुंचे हैं, उन्हें पहले संसदीय नियमों का अध्ययन करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि सदन में बोलने और आचरण करने के नियमों का पालन सभी सदस्यों के लिए आवश्यक है। रिजिजू के वक्तव्य के दौरान विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते रहे, जिससे सदन में हंगामे का माहौल बना रहा।

राज्यसभा में खड़गे का पलटवार, बोले-मुझे नियम मत सिखाइए, सरकार जवाब दे

नई दिल्ली। राज्यसभा में गुरुवार को हंगामे के बीच नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की टिप्पणी का जवाब देते हुए कहा कि रिजिजू उन्हें संसदीय नियम न सिखाएं। खड़गे ने कहा, क्या अब मुझे रिजिजू से नियम सीखना पड़ेगा? नियम मैं भी जानता हूं। आप लोग भी सभापति के कक्ष में जाकर नियमों का हवाला देते हैं। अगर मैं यहां अपना विषय पढ़कर नहीं बोलूंगा, तो यहां क्या करूंगा? क्या मैं आपके द्वारा दिया गया विषय पढ़ूंगा? यह मेरा अधिकार है कि मैं क्या बोलूं, कब बोलूं और कैसे बोलूं। उन्होंने संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू द्वारा कांग्रेस के नवनिर्वाचित संसद पवन खेड़ा पर की गई टिप्पणी का भी जवाब दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष के सदस्यों का अपमान कर रही है। आप हमारे सदस्य का अपमान कर रहे हैं, जैसे सब कुछ आप ही जानते हों। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विपक्ष केवल देश से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठा रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने ऐसे सवाल उठाए हैं जो जनता और देश के हित से जुड़े हैं।

कोयला क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने के लिए सरकार उठा रही ठोस कदम: जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वाणिज्यिक कोयला खनन (कमर्शियल कोल माइनिंग) में सुधारों और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रालय निजी कंपनियों और उद्योग संगठनों के साथ लगातार संवाद कर रहा है। इसके लिए देश भर में रोडशो और विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकें आयोजित की जा रही हैं, ताकि वाणिज्यिक कोयला खनन के बारे में अधिक जागरूकता पैदा हो और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ सके।

जी. किशन रेड्डी ने समिति को बताया कि अब तक वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 दौर सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 15वें दौर की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रणाली ने भारत के कोयला क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है और इससे प्रतिस्पर्धा तथा निवेश को बढ़ावा मिला है।

बैठक में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों (कोल

पीएसयू) के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों ने पिछले दो वित्त वर्षों में भारत को एक अरब टन (1 बिलियन टन) कोयला उत्पादन का आंकड़ा हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों का योगदान लगभग 20 प्रतिशत रहा। उन्होंने यह भी कहा कि कोयला क्षेत्र में लगातार किए गए सुधारों से खदानों को परिचालन में लाने की अवधि में उल्लेखनीय कमी आई है।

दत्त के अनुसार, पूरी तरह से खोजी जा चुकी कोयला खदानों के संचालन२ शुरू होने की समयसीमा 51 महीने से घटकर 40 महीने रह गई है। वहीं, आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के लिए यह अवधि 66 महीने से घटकर 52 महीने हो गई है।

कांग्रेस करेगी एफसीआर विधेयक का विरोध, केसी बोले- दमनकारी कानून

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस विदेशी अंशदान (विनियमन) संशोधन विधेयक-2026 (एफसीआर संशोधन विधेयक) का संसद में विरोध करेगी। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि सरकार एफसीआर संशोधन विधेयक को पुराने स्वरूप में फिर से लाना चाहती है, जिससे कुछ संगठनों को विशेष छूट मिलेगी, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) पर सख्त प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और पूरा विपक्ष इस दमनकारी विधेयक का पुरजोर विरोध करेगा। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान वेणुगोपाल ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने इस मुद्दे पर पार्टी की चिंताओं को मजबूती से सरकार के सामने रखा है। कांग्रेस और विपक्ष का रुख पूरी तरह स्पष्ट है और सरकार एफसीआरए को पुराने स्वरूप में नहीं ला सकती।

वेणुगोपाल ने आरोप लगाया कि प्रस्तावित व्यवस्था के तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठनों को लाभ पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, जबकि अन्य गैर-सरकारी संगठनों के साथ अलग व्यवहार किया जाएगा। इस तरह की सोच स्वीकार्य नहीं है और कांग्रेस ऐसे किसी भी दमनकारी कानून को संसद से पारित नहीं होने देगी। उल्लेखनीय है कि इस विधेयक का देश से बाहर अमेरिका में भी विरोध हो रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य राइली मूर ने 4 अगस्त को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि भारत की संसद जिन संशोधनों पर विचार कर रही है, उनसे चर्चों और धार्मिक संस्थाओं पर सरकारी नियंत्रण का रास्ता खुल सकता है। उन्होंने इसे ईसाई समुदाय के खिलाफ कदम बताते हुए कहा कि यदि विधेयक इसी स्वरूप में आगे बढ़ता है तो इसका भारत-अमेरिका द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी सीनेट की विदेश मामलों की समिति के अध्यक्ष जेम्स रिश ने भी जून महीने में एफसीआरए के मौजूदा प्रावधानों को गैर-सरकारी संगठनों के लिए अत्यधिक कठोर और अपारदर्शी बताया था। उन्होंने कहा था कि यदि इस कानून का उपयोग विदेशी सहायता प्राप्त ईसाई संगठनों के धन या संपत्ति जब्त करने के लिए किया गया तो यह गंभीर चिंता का विषय होगा। इससे पहले अमेरिकी सांसद क्रिस स्मिथ ने भी जून महीने में एक लेख में कहा था कि प्रस्तावित संशोधन विदेशी सहायता प्राप्त संस्थाओं की संपत्ति पर सरकारी नियंत्रण की शक्तियों का विस्तार कर सकते हैं।

प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई व अन्य मुद्दों पर विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र के 13वें दिन बुधवार को संसद परिसर में कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के सांसदों ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिस कार्रवाई, राम मंदिर चढ़ावा चोरी तथा अन्य मुद्दों पर सरकार को घेरा और गृहमंत्री अमित शाह से संसद में जवाब देने की मांग की।

इस दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर स्थित गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक विरोध मार्च भी निकाला।

प्रदर्शन में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल तथा अन्य विपक्षी दलों के सांसद बैनर और पोस्टर लेकर पहुंचे। विपक्षी सांसदों ने आरोप लगाया कि 20 जुलाई को छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग किया गया और इस पूरे

मामले की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। विपक्षी सांसदों ने मांग की कि गृहमंत्री संसद में आकर इन मुद्दों पर अपना पक्ष रखें।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि यदि छात्रों पर गोली, पैलेट गन, आंसू गैस या लाठीचार्ज का इस्तेमाल हुआ है तो इसकी जिम्मेदारी किसी न किसी की अवश्य होगी। ऐसे आदेश किसी अधिकारी या सरकार के स्तर से ही दिए जाते हैं, इसलिए जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। देश की लोकतांत्रिक परंपरा यही रही है कि ऐसी घटनाओं के लिए जवाबदेही स्वीकार की जाए।

निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने कहा कि भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज केवल राहुल गांधी के खिलाफ मामले दर्ज कराने के लिए सक्रिय रहती हैं। उन्हें कानून की सही समझ नहीं है और वह जब चाहें पुलिस थाने पहुंच जाती हैं।

संसद में चर्चा करने की बजाय लोकतंत्र के मंदिर से भागते हैं राहुल गांधी: भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अपरिपक्व,अंशकालिक और गैर-जिम्मेदार नेता करार देते हुए कहा है कि विपक्ष के नेताओं की जिम्मेदारी है कि वे संसद में जायें, चर्चा करें, तथ्य पेश करें और सदन में जनता से जुड़े मुद्दे उठायें, लेकिन यह दुर्भाग्य है कि विपक्ष के नेता लोकतंत्र के मंदिर से ही भागते हैं। भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया ने बुधवार को पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में श्री गांधी पर निशाना साधा और कहा कि कल एक सार्वजनिक कार्यक्रम में श्री गांधी ने बयान दिया और गैर-जिम्मेदाराना ढंग से कहा कि प्रधानमंत्री कौन होते हैं, जो छात्रों को माफ करें, और उसके बाद उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सोच जहरीली है।

टेरिटोरियल आर्मी 'सिटीजन-सोल्जर' की सर्वोत्तम मिसाल : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में टेरिटोरियल आर्मी की भूमिका, जिम्मेदारियों और उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

समिति के सदस्यों ने टेरिटोरियल आर्मी को और मजबूत बनाने के लिए कई सुझाव भी दिए। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। उन्होंने कहा कि सेना जहां देश की सुरक्षा करती है, वहीं टेरिटोरियल आर्मी पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक कार्यों में भी बड़ी भूमिका निभाती है।

उन्होंने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी 'नागरिक-सैनिक' की अवधारणा की जीवंत मिसाल है। इसके सदस्य सामान्य जीवन में अपने-अपने पेशे से जुड़े रहते हैं, लेकिन जरूरत पड़ने पर वर्दी पहनकर देश की सीमाओं की रक्षा और आंतरिक सुरक्षा का दायित्व निभाते हैं।

राजनाथ सिंह ने कहा कि टेरिटोरियल आर्मी, सशस्त्र बलों के लिए प्रशिक्षित जवानों का ऐसा बड़ा समूह तैयार करती है, जिसे आवश्यकता पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। सेवा पूरी करने के बाद ये जवान समाज में लौटकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं।

उन्होंने बताया कि टेरिटोरियल आर्मी में लगभग 44,400 जवान हैं और इसकी 59 इकाइयां हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं के समय टेरिटोरियल आर्मी सबसे पहले राहत और बचाव कार्य में पहुंचती है। केरल की बाढ़, ओडिशा के चक्रवात और हाल में असम की बाढ़ के दौरान जवानों ने राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता का महत्वपूर्ण कार्य किया। पर्यावरण संरक्षण में टेरिटोरियल आर्मी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने बताया कि इस कार्य बल ने अब तक करीब 10 करोड़ पौधे लगाए हैं। इनमें 80 से 85 प्रतिशत पौधे जीवित हैं। उन्होंने कहा कि यह अभियान 'मिशन लाइफ' और 'पंचामृत' के लक्ष्यों को जमीन पर उतारने में मदद कर रहा है।

राजनाथ सिंह ने जम्मू-कश्मीर में तैनात टेरिटोरियल आर्मी के जवानों की भी सराहना की। उन्होंने कहा कि जवानों ने 'हर घर तिरंगा' अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बारिश के बाद भाटवर : डेडावा मार्ग पर जलभराव, किसानों और विद्यार्थियों की बढ़ी मुश्किलें

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः वाव तालुका के भाटवर-डेडावा मार्ग पर भारी बारिश के बाद जलभराव की गंभीर समस्या एक बार फिर सामने आई है। पिछले एक सप्ताह से अधिक समय से सड़क पर दो से तीन फीट तक पानी भरा होने के कारण किसानों, विद्यार्थियों और स्थानीय ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क आसपास के कई गांवों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है, लेकिन जलभराव के कारण लोगों का आवागमन प्रभावित हो गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष बारिश के मौसम में यही स्थिति बनती है, लेकिन अब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया गया।

ग्रामीणों के अनुसार डेडावा, भाचली, तीर्थगाम, माडका और देथणी क्षेत्रों का वर्षा जल प्राकृतिक ढलान के कारण भाटवर की ओर आता है। सड़क और हाईवे पर पर्याप्त जल निकासी व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है। इसका असर केवल सड़क तक सीमित नहीं है, बल्कि आसपास के खेत भी जलमग्न हो जाते हैं। किसानों का कहना है कि लगातार पानी भरे रहने से फसलें खराब हो रही हैं और खेती करना मुश्किल होता जा रहा है, जिससे उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जलभराव का सबसे अधिक असर विद्यार्थियों पर भी पड़ रहा है। स्कूल और कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राओं को रोजाना पानी से भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे दुर्घटना का खतरा बना रहता है। कई बार अभिभावक बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए उन्हें स्कूल भेजने से भी हिचकिचाते हैं। वहीं स्थानीय व्यापारियों और वाहन चालकों को भी इस मार्ग से गुजरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 2014, 2017, 2021, 2024, 2025 और अब 2026 में भी यही समस्या सामने आई है। कई बार प्रशासन को शिकायतें देने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

लोगों का कहना है कि यदि हाईवे पर पर्याप्त पुलिया, बड़े नाले या आधुनिक जल निकासी प्रणाली विकसित की जाए तो इस समस्या से हमेशा के लिए राहत मिल सकती है। ग्रामीणों ने राज्य सरकार, जिला प्रशासन और संबंधित विभागों से मांग की है कि इस गंभीर समस्या को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। उनका कहना है कि यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो हर वर्ष किसानों, विद्यार्थियों और आम लोगों को इसी तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। स्थानीय लोगों ने जल्द से जल्द जल निकासी की स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने और सड़क को सुरक्षित एवं सुगम बनाने की मांग की है।

आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने मानदेय बढ़ाने और स्थायी नियुक्ति की उठाई मांग

महेश कुमार पुरोहित

राजस्थानः फलोदी जिले की आंगनवाड़ी कार्यकताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शुक्रवार को जिला कलेक्टर के माध्यम से राजस्थान के मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में आंगनवाड़ी कार्यकताओं को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देने, वर्तमान ?10,000 प्रतिमाह मानदेय को बढ़ाकर ?30,000 प्रतिमाह करने तथा अन्य सेवा संबंधी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। आंगनवाड़ी कार्यकताओं का कहना है कि वे लंबे समय से महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत बच्चों के पोषण, टीकाकरण, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की देखभाल सहित अनेक सरकारी योजनाओं का प्रभावी ढंग से संचालन कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें अपेक्षाकृत कम मानदेय पर कार्य करना पड़

रहा है, जिससे आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

ज्ञापन में कार्यकताओं ने सरकार से मांग की कि उनकी सेवाओं और जिम्मेदारियों को देखते हुए उन्हें स्थायी कर्मचारी का दर्जा प्रदान किया जाए। साथ ही वर्तमान मानदेय को बढ़ाकर ?30,000 प्रतिमाह किया जाए तथा अन्य सरकारी कर्मचारियों की तरह सामाजिक सुरक्षा, सेवा संबंधी लाभ और अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। कार्यकताओं का कहना है कि वे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। ऐसे में उनकी समस्याओं का समाधान किया जाना आवश्यक है, ताकि वे और अधिक प्रभावी ढंग से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता उपस्थित रहीं।

सीवरेज से सड़क तक विकास कार्यों की हुई समीक्षा, अधिकारियों को डीसी की दो टूक

राजपूत रंजीत

हरियाणाः भिवानी के स्थानीय लघु सचिवालय स्थित डीआरडीए सभागार में उपायुक्त (डीसी) साहिल गुप्ता की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के विकास एवं निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला परिषद, नगर परिषद, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग (PWD) तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक का उद्देश्य जिले में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना और उन्हें निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूरा कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश देना था।

बैठक के दौरान डीसी साहिल गुप्ता ने सभी विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और जनहित से

जुड़े किसी भी विकास कार्य में लापरवाही न बरतें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि प्रत्येक विभाग अपनी एक्शन टेकन रिपोर्ट (ATR) समय पर पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करे, ताकि कार्यों की नियमित निगरानी की जा सके और प्रगति का सही आकलन हो।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को शहर में सीवरेज जाम और जलभराव की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कार्य पूरा होने के बाद संबंधित वार्ड समिति से सत्यापन कराकर उसकी रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपडेट की जाए। नगर परिषद को शहर की खराब स्ट्रीट लाइटों की जल्द मरम्मत कराने के निर्देश दिए गए, ताकि नागरिकों को रात्रि के समय सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। वहीं, लोक निर्माण विभाग (PWD) को सभी सड़कों की मरम्मत और निर्माण कार्य तय समय सीमा में पूरा करने तथा उनकी प्रगति 'म्हारी सड़क' ऐप पर नियमित रूप से अपलोड करने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग को नागरिक अस्पताल में चल रहे मरम्मत एवं नवीनीकरण कार्यों को निर्धारित समय पर गुणवत्ता के साथ पूरा करने और प्रत्येक चरण की फोटो सहित प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा गया। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के एसई सुनील रंगा, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता अमित डागर सहित जिला परिषद, नगर परिषद एवं अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। डीसी ने कहा कि सभी विभाग निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरे कर आमजन को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

8 साल से फरार दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार, थराद पुलिस की बड़ी कामयाबी

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः थराद पुलिस ने वर्ष 2018 में दर्ज दुष्कर्म के मामले में पिछले आठ वर्षों से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। लंबे समय से कानून की गिरफ्त से बच रहा आरोपी आखिरकार पुलिस के विशेष अभियान के दौरान पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने इसे फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया है। जानकारी के अनुसार, बनासकांठा रेंज की पुलिस महानिरीक्षक परीक्षिता राठौड़ के मार्गदर्शन तथा वाव-थराद जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर फरार और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत पैरोल-फर्लो स्क्वॉड के पुलिस निरीक्षक एच. डी. मकवाणा के नेतृत्व में टीम

लगातार विभिन्न मामलों में फरार आरोपियों की तलाश कर रही थी।

इसी दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि वर्ष 2018 के दुष्कर्म मामले में फरार आरोपी जीवराज उर्फ हिनेशभाई करशनभाई कांठोर, निवासी गलीया, तहसील चितलवाणा, जिला जालोर (राजस्थान), थराद के ऊंझा मोड़ क्षेत्र में आने वाला है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल रणनीति बनाई और बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पुष्टि हुई कि आरोपी पिछले आठ वर्षों से फरार चल रहा था और लगातार अपना ठिकाना बदलकर कानून से बचने की कोशिश कर रहा था। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर आवश्यक पूछताछ की और बाद में आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए थराद पुलिस स्टेशन को सौंप दिया।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फरार अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और कानून से बचने की कोशिश करने वाले किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। आधुनिक तकनीक, खुफिया सूचना और लगातार निगरानी के माध्यम से ऐसे आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है।

थराद पुलिस की इस कार्रवाई को फरार अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि आमजन की सुरक्षा, कानून व्यवस्था बनाए रखने और पीड़ितों को न्याय दिलाने के उद्देश्य से इस प्रकार की कार्रवाई भविष्य में भी लगातार जारी रहेगी।

बभनडिहा गांव के पास खाई में गिरी कार, केनरा बैंक के मैनेजर समेत तीन कर्मचारी बाल-बाल बचे

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः सोनभद्र जिले के म्योरपुर-बीजपुर मार्ग पर बभनडिहा गांव के पास गुरुवार सुबह करीब 9 बजे एक कार अनियंत्रित होकर लगभग 20 फीट गहरी खाई में गिर गई। हादसे में केनरा बैंक के मैनेजर समेत तीन कर्मचारी बाल-बाल बच गए। सभी को मामूली चोटें आई हैं और प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

जानकारी के अनुसार, कार रेणुकूट से रजमिलान की ओर जा रही थी। कार में केनरा बैंक की रजमिलान शाखा के मैनेजर अखिलेश कुमार सिंह, अमित कुमार और गौरव यादव सवार थे। बताया जा रहा है कि रास्ते में एक ट्रक को ओवरटेक करते समय सामने से आ रहे बाइक सवार को बचाने के प्रयास में चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद कार कई बार पलटते हुए सड़क किनारे लगभग 20 फीट गहरी खाई में जा गिरी।

घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण

और राहगीर मौके पर पहुंचे और कार में फंसे तीनों कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) म्योरपुर ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें घर जाने की अनुमति दे दी। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जूना गांव में तीन पत्ती के जुए पर LCB का छापा, 5 आरोपी गिरफ्तार

चौधरी राजूभाई वेणाभाई

गुजरातः बनासकांठा जिले के भाभर थाना क्षेत्र के जूना गांव में पुलिस ने अवैध जुए के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन पत्ती खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान पुलिस ने नकदी, मोबाइल फोन, ताश की गड्डियों सहित कुल 34,500 रुपये का मुद्देमाल जब्त किया है। हालांकि कार्रवाई के दौरान दो आरोपी मौके का फायदा उठाकर फरार हो गए, जिनकी तलाश जारी है।

गुप्त सूचना के आधार पर हुई कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, वाव-थराद स्थानीय अपराध शाखा (छउइ) को सूचना मिली थी कि जूना गांव में बहुचर माता मंदिर के पास स्थित एक

मकान की खुली ओसरी में कुछ लोग तीन पत्ती का जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तुरंत टीम गठित की और बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस के पहुंचते ही वहां मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। कुछ लोगों ने भागने की कोशिश की, लेकिन टीम ने पांच आरोपियों को मौके से ही पकड़ लिया।

नकदी और मोबाइल समेत सामान जब्त

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 24,400 रुपये नकद, लगभग 10,000 रुपये कीमत के दो मोबाइल फोन, ताश की आठ गड्डियां तथा अन्य सामान बरामद किया। जब्त किए गए सभी सामान की कुल कीमत 34,500 रुपये बताई गई है। पुलिस ने मौके से बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है।छापेमारी के दौरान दो आरोपी पुलिस को चकमा देकर फरार हो गए। पुलिस उनकी पहचान कर चुकी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और उनके खिलाफ भी कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान जारी

पुलिस ने बताया कि जिले में जुआ, शराब तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। यह कार्रवाई बनासकांठा रेंज की पुलिस महानिरीक्षक के मार्गदर्शन और जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में की गई। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे अवैध अड्डों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी ताकि कानून व्यवस्था बनी रहे और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके।फिलहाल गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है, जबकि फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस की अलग-अलग टीमें लगातार छापेमारी कर रही हैं।

हत्या के मामले में वांछित दो आरोपी पुलिस मुठभेड़ में घायल होकर हुए गिरफ्तार, तमंचे और कारतूस हुए बरामद

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः जनपद सहारनपुर के देवबंद थाना क्षेत्र में हत्या के मामले में फरार चल रहे दो वांछित आरोपियों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी पुलिस चेकिंग के दौरान भागने का प्रयास करते हुए पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगे। जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध तमंचे (.315 बोर), चार जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और बिना नंबर प्लेट की एक मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस के अनुसार, 27 जुलाई को देवबंद निवासी जयप्रकाश ने अपने पुत्र शिवा के अपहरण की शिकायत दर्ज कराई थी। जांच के दौरान शिवा का शव बरामद होने के बाद मामले में हत्या समेत अन्य गंभीर धाराएं जोड़ दी गईं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा था। 29 जुलाई की सुबह देवबंद पुलिस और स्वाट टीम संयुक्त रूप से मंगलौर रोड स्थित रजवाहा पुलिया के पास वाहन चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने पुलिस पर फायरिंग कर दी और भागने लगे। पीछा करने के दौरान क्षतिग्रस्त सड़क पर उनकी मोटरसाइकिल फिसल गई। इसके बाद दोनों आरोपी गन्ने के खेत में घुसकर दोबारा पुलिस पर फायरिंग करने लगे। पुलिस की आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए और मौके से गिरफ्तार कर लिए गए।

पूछताछ में हत्या की साजिश का खुलासा, बदला लेने के लिए की थी वारदात

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान आदि उर्फ आदित्य और सूर्यांश के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि मृतक शिवा के साथ तमंचा दिखाने को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद शिवा और उसके साथियों ने उनके साथ मारपीट की थी। बदला लेने की नीयत से उन्होंने अपने एक अन्य साथी के साथ मिलकर शिवा की हत्या की योजना बनाई। 26 जुलाई की रात वे शिवा को घर से बुलाकर टीचर कॉलोनी के पीछे गन्ने के खेत में ले गए, जहां उसकी हत्या कर शव को वहीं छिपा दिया और फरार हो गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। उनके खिलाफ हत्या, पुलिस पर जानलेवा हमला, आर्म्स एक्ट और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने बताया कि मामले में फरार अन्य आरोपी की तलाश भी तेज कर दी गई है।

जीतवान बास में स्वास्थ्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, NDPS एक्ट के तहत मामला दर्ज

राजपूत रंजीत

हरियाणाः भिवानी जिले में स्वास्थ्य विभाग ने अवैध दवाइयों के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव जीतवान बास में एक मकान पर छापेमारी कर भारी मात्रा में अवैध एवं प्रतिबंधित एलोपैथिक और नशीली दवाइयां बरामद की हैं। मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस (NDPS) एक्ट और ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार जिले में अवैध गर्भपात पर रोक लगाने और लिंगानुपात में सुधार के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बुधवार दोपहर गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य के मार्गदर्शन में गठित टीम ने नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू चौधरी और ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर सुरेंद्र कुमार के नेतृत्व में गांव जीतवान बास स्थित एक मकान पर छापा मारा।

तलाशी के दौरान मकान के अलग-अलग रैक से 35 प्रकार की एलोपैथिक दवाइयां बरामद हुईं। इसके अलावा नारकोटिक श्रेणी में आने वाली दो प्रकार की प्रतिबंधित नशीली दवाइयां भी बड़ी मात्रा में मिलीं। जांच के दौरान संबंधित व्यक्ति इन दवाइयों के संबंध में कोई वैध लाइसेंस, खरीद-बिक्री का रिकॉर्ड या अन्य आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

इसके बाद स्वास्थ्य विभाग की शिकायत पर कैरू चौकी में आरोपी के खिलाफ नारकोटिक्स

एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (NDPS) एक्ट तथा ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 के तहत मामला दर्ज कराया गया। नोडल अधिकारी डॉ. अन्नू चौधरी ने लोगों से अपील की कि कोई भी व्यक्ति अपने घर या अन्य स्थान पर अवैध या प्रतिबंधित दवाइयां न रखे और सरकारी नियमों का पालन करे। वहीं, ड्रग कंट्रोलर ऑफिसर सुरेंद्र कुमार ने मेडिकल स्टोर संचालकों को बिना बिल के दवाइयों की खरीद-फरोख्त न करने, वैध लाइसेंस प्रदर्शित करने और सभी दवाइयों का रिकॉर्ड नियमित रूप से रखने के निर्देश दिए।

सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य ने कहा कि पीसीपीएनडीटी (PCPNDT) और एमटीपी (MTP) नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध दवा कारोबार और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ संयुक्त अभियान आगे भी लगातार चलाया जाएगा। इस कार्रवाई में डॉ. राहुल तंवर, स्वास्थ्य निरीक्षक जगदीश प्रसाद, स्वास्थ्य निरीक्षक रमन तथा सहायक प्रवीण कुमार सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एसडीएम थप्पड़ कांड के आरोपी नरेश मीणा ने किया सरेंडर, कोर्ट ने भेजा जेल

सहीहुरहमान

राजस्थानः टोंक नगरफोर्ट, देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान समरावता गांव में हुए 'एसडीएम थप्पड़ कांड' के आरोपी नरेश मीणा ने गुरुवार को दोपहर 2:15 बजे नगरफोर्ट थाने में हजारों समर्थकों के बीच आत्मसमर्पण किया। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस के आला अधिकारी सहित भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। इसमें आरएसी की एक कंपनी भी शामिल थी। निषेधाज्ञा के बावजूद उमड़ी भीड़ : नगरफोर्ट थाना क्षेत्र में निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद नरेश मीणा के समर्थन में राजस्थान के दूर-दराज क्षेत्रों से हजारों समर्थक पहुंचे। बारिश के बाद भी समर्थक थाने के सामने डटे रहे। उन्होंने शांतिपूर्वक तरीके से नरेश मीणा के समर्थन में नारे लगाए तथा सरकार और लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ नारेबाजी की। कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालने के लिए मालपुरा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र सिंह, एससी-एसटी टोंक अतिरिक्त अधीक्षक कमल कुमार और उनियारा पुलिस उपाधीक्षक अशोक कुमार कानखेडिया सहित 8 थानों के थाना प्रभारी भारी पुलिस जाब्ते के साथ मौजूद रहे। 20 मिनट में पूरी हुई प्रक्रिया : नरेश मीणा के आत्मसमर्पण के समय कुछ देर के लिए पुलिस को समर्थकों को संभालने में मशक्कत करनी पड़ी, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी और कार्यकताओं के सहयोग से प्रक्रिया शांतिपूर्वक संपन्न हुई।

थाना परिसर में लगभग 20 मिनट तक गिरफ्तारी की कार्रवाई पूरी की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम से नरेश मीणा का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया गया। इसके बाद भारी पुलिस बल के बीच उन्हें टोंक न्यायालय के लिए रवाना किया गया, जहां न्यायालय ने उन्हें जेल भेज दिया। नरेश मीणा ने कहा आत्मसमर्पण से पहले नरेश मीणा ने पत्रकारों व समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि "लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के इशारे पर सरकार ने मेरे राजनीतिक कैरियर को खत्म करने के लिए पुलिस पर दबाव बनाकर मेरी जमानत निरस्त करवाई है। मैं अदालत के फैसले का सम्मान करता हूं। इसी कारण गिरफ्तारी वारंट जारी होने पर आज आत्मसमर्पण के लिए पेश हुआ हूं। पीपलोदी पीड़ितों से मिलना जमानत की शर्तों का उल्लंघन नहीं है। मैं हर माह दो बार थाने में हाजिरी दे रहा हूं। मुझे न्यायालय पर पूरा भरोसा है।

मैं अपने समर्थकों से अपील करता हूं कि शांति बनाए रखें। कोई आंदोलन न करे। आप हजारों की संख्या में यहां पहुंचे, इसके लिए आभारी हूं। भविष्य में भी गरीब किसानों के लिए संघर्ष करता रहूंगा।" इससे पहले रास्ते में जगह-जगह उनके समर्थकों द्वारा नरेश मीणा का सम्मान किया गया। क्या है पूरा मामला 13 नवंबर 2024 को देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान समरावता गांव के मतदान केंद्र संख्या 113 पर तत्कालीन मालपुरा उपखंड अधिकारी अमित चौधरी के साथ कथित मारपीट की घटना हुई थी। इस मामले में नगरफोर्ट थाने में मुकदमा संख्या 166/2024 दर्ज हुआ था। हाईकोर्ट से सशर्त जमानत मिलने के बाद नरेश मीणा को पीपलोदी स्कूल हादसे के पीड़ित परिवारों से मिलने जाते समय गिरफ्तार किया गया था। 44 दिन बाद हाईकोर्ट से राहत मिलने के बाद उन्होंने पीड़ितों के उचित मुआवजे की मांग को लेकर 15 दिन तक आमरण अनशन किया था।

नगरफोर्ट पुलिस ने इसे जमानत शर्तों का उल्लंघन मानते हुए संबंधित न्यायालय में जमानत खारिज करने का प्रार्थना पत्र पेश किया था। इसके बाद टोंक स्थित एससी-एसटी न्यायालय ने 13 जुलाई 2026 को जमानत निरस्त कर गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। इसके बाद नगरफोर्ट थाना पुलिस ने 20 जुलाई को पत्र जारी कर ग्राम पंचायत नयागांव उर्फ नानकवास की पंचायत प्रशासक से नरेश मीणा की चल और अचल संपत्तियों का विवरण मांगा था। इनका कहना है ।समरावता गांव में उपचुनाव के दौरान उपखंड अधिकारी के साथ मारपीट के संबंध में नगरफोर्ट थाने में दर्ज मुकदमा संख्या 166/24 में जमानत पर चल रहे नरेश मीणा द्वारा जमानत शर्तों का उल्लंघन करने पर टोंक एससी-एसटी न्यायालय ने 13 जुलाई को जमानत निरस्त कर गिरफ्तारी वारंट जारी किए थे। जिसके तहत नरेश मीणा ने नगरफोर्ट थाने में आत्मसमर्पण किया है। उन्हें टोंक न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

सोनशक्ति स्टेडियम में खेल प्रतिभाओं का जलवा, डीएवी अनपरा ने जीती चैंपियनशिप

इंद्रेश कुमार पांडे

उत्तर प्रदेशः बीजपुर सोनभद्र डीएवी पब्लिक स्कूल, एनटीपीसी रिहंदनगर में आयोजित तीन दिवसीय डीएवी जोनल खेल प्रतियोगिता का गुरुवार को सोनशक्ति स्टेडियम में भव्य समापन हुआ। लगातार हो रही सावन की फुहारों के बीच छात्राओं ने उत्साह और खेल भावना के साथ विभिन्न प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एनटीपीसी रिहंद परियोजना के परियोजना प्रमुख एवं कार्यकारी निदेशक संजय असाटी रहे। उनके साथ महिला मंडल की अध्यक्षा नीलू असाटी तथा डीएवी जोन-डी की एआरओ संध्या पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। प्रतियोगिता में हाई जंप, ट्रिपल जंप, लंबी कूद, रिले रेस, वॉलीबॉल, जेवलिन थ्रो, डिस्कस थ्रो, शॉटपुट, टेबल टेनिस, बैडमिंटन और योग सहित विभिन्न स्पधाओं का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि ने विजेता खिलाड़ियों को पदक प्रदान कर सम्मानित किया। ओवरऑल चैंपियनशिप की ट्रॉफी डीएवी अनपरा ने जीती, जबकि डीएवी ओबरा उपविजेता और डीएवी खड़िया तृतीय स्थान पर रहा। एनटीपीसी रिहंद की ओर से सभी प्रतिभागी छात्राओं एवं खेल अधिकारियों को उपहार और टी-शर्ट भी प्रदान किए गए।

अपने संबोधन में संजय असाटी ने कहा कि खेल विद्यार्थियों में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, टीम भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का विकास करते हैं। वरिष्ठ शिक्षक आर.के. झा ने प्रतिभागियों, शिक्षकों, अतिथियों एवं एनटीपीसी प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। अंत में संजय असाटी ने प्रतियोगिता के समापन की घोषणा की तथा शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।समारोह में मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोईपाई, प्राचार्या रचना दुबे, दीपा शरण, दीपा पांडे, हरिकेश यादव, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य अनुराग प्रकाश, सीआईएसएफ के सहायक कमांडेंट आलोक कुमार चौधरी, के.के. सिंह, अभिभावक प्रतिनिधि हरिओम मिश्रा सहित बड़ी संख्या में अभिभावक एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक संदीप दुबे तथा कक्षा 11 की छात्रा एनी नाज और छात्र अंश सिंह ने किया।

अमरजीत यादव का सरकार पर हमला, छात्र आंदोलन और संसद की कार्यशैली पर उठाए सवाल

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेशः वर्तमान समय में हमारे देश में सबसे ज्वलंत मुद्दा छात्र आंदोलन और राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का चल रहा है यह सभी लोगों को पता है। राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव ने कहा कि कोई भी रंग व कोई भी धर्म किसी की जागीर नहीं है। सच्चाई का पदार्फाश करने के लिए जो भी सदन में हुआ कुछ गलत नहीं था केवल जनता का ध्यान भटकाने तथा अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए धर्म और आस्था की आड में बचना चाहते हैं जबकि यह जनता व देश के साथ अन्याय है। देश में अपने हक और अधिकार के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रहे आंदोलन में देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की नाक के नीचे

जब संवैधानिक नियमों की धज्जियां उड़ाई गई और छात्रों पर गन तथा लाठियां बरसाई गई प्रधानमंत्री और गृहमंत्री के इस कृत्य की पूरे देश में निन्दा हो रही है क्योंकि जब तक गृहमंत्री और प्रधानमंत्री नहीं चाहेंगे तब तक लाठी चार्ज नहीं हो सकती इस लिए लाठी चार्ज के पूरे जिम्मेदार गृहमंत्री व प्रधानमंत्री हैं।

इसके लिए दोनों लोगों को सार्वजनिक मंच से माफी मांगते हुए अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए हमारे देश के माननीय सांसदों एवं विधायकों की भाषा इतनी व्यंग्यात्मक और द्वेशात्मक हो ग ई है कि यह नहीं लगता कि पद और स्थान की कोई गरिमा बची है संसद सत्र चल रहा है। हमारे देश का राजनैतिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक ढांचा इतना बदल गया है कि एक सामान्य व्यक्ति को यह समझ पाना बहुत ही मुश्किल है की कब कहां और कैसे किस तरह के शब्दों का इस्तेमाल करना चाहिए इसका नजारा देश की सबसे ऊंची अदालत संसद भवन में चुने हुए सांसदों द्वारा देखने को मिलता है।

वहां पर भी इस तरह का भेदभाव होता है कि अगर सत्ता पक्ष के सांसद कुछ भी बोल जाते हैं, लेकिन स्पीकर द्वारा किसी प्रकार की कोई चेतावनी या कार्रवाई नहीं होती लेकिन विपक्ष द्वारा सही बोलने पर भी माननीय स्पीकर द्वारा बार-बार चेतावनी का दौर चलता रहता है, जबकि इस सदन में किरण रिजीजू निशिकांत दुबे कंगना रनौत आदि सांसदों द्वारा ऐसा बयान दिया जाता है की आम व्यक्ति उसे शब्द को बोलने में भी संकोच खाएंगे यह गतिविधि कई बार देखने को मिल चुकी है अमरजीत यादव ने कहा कि देश की सत्ता तानाशाही के बल पर बिपक्ष की आवाज को दवाकर मनमानी करना चाहती है।

CCTV और तकनीकी जांच से खुला राज, हिसार पुलिस ने वाहन चोर को दबोचा

राजपूत रंजीत

हरियाणाः हिसार जिले में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत अर्बन एस्टेट चौकी पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन चोरीशुदा मोटरसाइकिलें बरामद की हैं।

प्रारंभिक जांच में आरोपी के खिलाफ पहले से नशा तस्करी से जुड़े एनडीपीएस (NDPS) एक्ट के तहत मामला दर्ज होने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन (आईपीएस) के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। चौकी प्रभारी एएसआई राजेश

कुमार ने बताया कि 3 अगस्त 2026 को सुभाष नगर निवासी वीरेंद्र कुमार ने अपने घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के बाद पुलिस ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस ने आदमपुर क्षेत्र के गांव चूली कलां निवासी कुलदीप उर्फ घोलू को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान आरोपी की निशानदेही पर शिकायतकर्ता की चोरी हुई मोटरसाइकिल बरामद कर ली गई। गहन पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसने जिला सिरसा के थाना सदर क्षेत्र स्थित डेरा सच्चा सौदा के आसपास से भी दो अन्य मोटरसाइकिलें चोरी की थीं। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर दोनों मोटरसाइकिलें भी बरामद कर लीं। इस कार्रवाई के साथ पुलिस ने कुल तीन चोरीशुदा मोटरसाइकिलें बरामद करने में सफलता हासिल की।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के तहत नशा तस्करी का मामला दर्ज है। अब पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी किसी संगठित वाहन चोर गिरोह से जुड़ा है या नहीं।

तिवा लोकनृत्य और कला को मिलेगा नया मंच डिमरिया में शुरू हुई सांस्कृतिक कार्यशाला

राजीव डोलोई

असमः तिवा भाषा, लोक नृत्य, कला और संस्कृति को संरक्षित करने के उद्देश्य से 25 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का पहला चरण कामरूप महानगर जिले के डिमरिया के धोपगुरी गांव में सफलतापूर्वक शुरू हो गया है। कार्यशाला का संचालन सामाजिक कार्यकर्ता अजीत देउरी, अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता लघु फिल्म निमार्ता और निर्देशक डॉ. राजीव डोलोई और अनुभवी प्रशिक्षक चिंटू बारदोलोई की देखरेख में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का

आधिकारिक उद्घाटन ऐतिहासिक तिवा राजदरबार के अध्यक्ष जुरसिंह बारदोलोई ने किया। शुरूआती भाषण में उन्होंने कहा कि 2027 में होने वाले ऐतिहासिक जुबली मेले में इस वर्कशॉप में हिस्सा लेने वाले डांसर्स को मौका दिया जाएगा, ताकि तिवा डांस कल्चर को दुनिया के मंच पर पेश किया जा सके।

कार्यक्रम में धोपगुड़ी तिवा समाज के ग्राम प्रधान मिहीराम बारदोलोई, बुजुर्ग बीरेन रहांग, तिवा साहित्य सभा कामरूप महानगर जिला समिति के पूर्व सचिव लक्ष्मीकांत देउरी, लाखीगोग गांव के पूर्व मुखिया नरेन आमची, सामाजिक कार्यकर्ता भुवन देउरी, लवन पातर, माणिक बारदोलोई उपस्थित थे।

इसमें अनुराधा चुकाई, अमरावती बारदोलोई, बारिका रेणुका चुकाई, रेडियो कलाकार सावित्री पातर और जमुना कोंवर सहित अन्य ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य कोच चिंतो बारदोलोई और सह-प्रशिक्षक टूटुमनी कोंवर, गीतुमनी बारदोलोई, बिटुपन मचरंग, जिमली दरफांग, भारशा रानी कोंवर और अदिति खराई के नेतृत्व में लगभग 100 बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने भाग लिया। कार्यशाला तिवा लोक नृत्य 'मनारी कंठी मिसवा', 'बारात' और तिवा राष्ट्रीय संगीत में प्रशिक्षण प्रदान करती है। प्रशिक्षण बहताला, निबिरा, वेराकुची-मजगांव, बम्फार, टोपतली, कुलजारी, मिलानपुर, सेनाबार, नवागांव और लक्षीगोग सहित इन गांवों में चरणों में आयोजित किया जाएगा।

बिसरख पुलिस की बड़ी कार्रवाई, चैन स्नैचिंग करने वाला शातिर आरोपी हुआ गिरफ्तार, चाकू और बाइक भी हुई बरामद

गौरव कुमार

उत्तर प्रदेशः गौतमबुद्धनगर थाना बिसरख पुलिस ने स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चैन स्नैचिंग की बिक्री से प्राप्त 2,900 रुपये नकद, एक अवैध चाकू और वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 5 अगस्त 2026 को थाना बिसरख पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से कार्रवाई करते हुए आरोपी सलीम पुत्र खलील को एनएक्स वन से हवेलिया वेनलोवा सोसाइटी की ओर जाने वाले मार्ग से गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से स्नैच की गई चैन की बिक्री से बचे हुए 2,900 रुपये, एक अवैध चाकू और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है, जो अपने साथियों के साथ मिलकर चैन और मोबाइल स्नैचिंग की घटनाओं को अंजाम देता था।

आरोपी द्वारा थाना बिसरख क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर राहगीरों के गले से झपट्टा मारकर चैन छीनी गई थीं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ थाना बिसरख में स्नैचिंग से जुड़े कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें मु0अ0सं0 479/2026, 490/2026 और 531/2026 के तहत बीएनएस की संबंधित धाराओं में मामले दर्ज किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सलीम पुत्र खलील, निवासी ग्राम कुम्हैड़ा, थाना मुरादनगर, गाजियाबाद, उम्र करीब 28 वर्ष के रूप में हुई है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी के खिलाफ गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में लूट, चोरी, हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आरोपी के खिलाफ थाना विजय नगर, थाना सेक्टर-113, थाना सेक्टर-49 और थाना बिसरख में कुल कई मुकदमे दर्ज पाए गए हैं।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद सामान में 2,900 रुपये नकद, एक अवैध चाकू और मोटरसाइकिल संख्या UP14FE7079 को जब्त कर लिया है। पुलिस आरोपी के अन्य आपराधिक नेटवर्क और साथियों के संबंध में भी जांच कर रही है।

42 वर्षों की सेवाओं के बाद अनुज कुमार जैन हुए सेवानिवृत्त, भावपूर्ण विदाई एवं सम्मान समारोह हुआ आयोजित

राकेश कुमार शर्मा

उत्तर प्रदेशः सहारनपुर स्थित जिला कोषागार विभाग में 42 वर्षों तक सेवाएं देने वाले कर्मचारी अनुज कुमार जैन के सेवानिवृत्त होने पर कार्यालय परिसर में भावपूर्ण विदाई एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके उत्कृष्ट कार्य, सरल स्वभाव और कार्यनिष्ठा की सराहना करते हुए उन्हें सम्मानित किया। समारोह में जिला कोषागार अधिकारी सूरज कुमार ने अनुज कुमार जैन को पुष्पमाला पहनाकर सम्मानित किया और कहा कि उन्होंने चार दशकों से अधिक समय तक पूरी ईमानदारी, मेहनत

और समर्पण के साथ विभाग की सेवा की। उन्होंने कहा कि अपने लंबे सेवाकाल के दौरान अनुज कुमार जैन का व्यवहार हमेशा सौम्य और विवादों से दूर रहा।

उनकी कार्यशैली और मिलनसार व्यक्तित्व विभाग के कर्मचारियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत रहेगा। कार्यक्रम के दौरान विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें पुष्पगुच्छ, मालाएं और स्मृति-चिह्न भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य की कामना की। सभी ने उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी कमी विभाग को हमेशा महसूस होगी। इसके बाद आयोजित सम्मान समारोह में मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन के मंडल अध्यक्ष राकेश कुमार शर्मा ने अपनी टीम के साथ अनुज कुमार जैन का माल्यार्पण कर स्वागत किया और उन्हें संस्था का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने अनुज कुमार जैन के सेवा भाव और समाज के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण की सराहना की।

इस अवसर पर अनुज कुमार जैन के परिवार के सदस्य, कोषागार विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी तथा मानवाधिकार एमरजेंसी हेल्पलाइन एसोसिएशन के पदाधिकारी और गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने उनके सुखद, स्वस्थ एवं सफल सेवानिवृत्त जीवन की शुभकामनाएं दीं।

सम्पादकीय

कॉकरोच अब किस दिशा में बढ़ेंगे

जंतर-मंतर पर पेपर लीक के खिलाफ आंदोलन खत्म हो चुका है और धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा भी हो गया है। इस बीच प्रदर्शनकारियों पर पुलिस की ज्यादती को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई हैं, जिन पर सुनवाई चल रही है। इस तरह देखा जाए तो कॉकरोच जनता पार्टी ने मोदी सरकार के नुमाइंदों के साथ मिलकर जो समझौता किया था और महीने भर से ऊपर चला आंदोलन खत्म हुआ था, तो अब कॉकरोच जनता पार्टी किस दिशा में आगे बढ़ेगी। क्या वह किसी राजनैतिक दल में तब्दील होगी, या फिर शिक्षा व्यवस्था के जो अनसुलझे सवाल हैं, उन्हें उठाएगी, या उसकी भूमिका बस यहीं तक सीमित थी, ऐसे कई सवालों पर जवाब मिलने अब शुरू हो गए हैं।

बुधवार और गुरुवार दो दिनों तक कॉकरोच जनता पार्टी की बैठक चली और अब अभिजीत दिपके ने गुरुवार को अपने अगले कदम के बारे में बताया है। दिपके के मुताबिक सीजेपी अब देश भर में एक नयी मुहिम छेड़ रही है, जिसका नाम होगा 'क्या बोलती पब्लिक'। इस मुहिम की घोषणा करते हुए दिपके ने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं को समझना और उनके लिए काम करना होगा। बकौल, दिपके इस अभियान का सबसे पहला ध्यान शिक्षा क्षेत्र पर होगा, धीरे-धीरे इसे अन्य मुद्दों पर भी केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा पर सबसे पहले ध्यान इसलिए दिया गया है क्योंकि स्कूल, कॉलेज और कोचिंग की बढ़ती फीस की वजह से कई परिवार अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध नहीं करवा पाते। उन्होंने कहा, देश की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हमारा पहला मुद्दा होगा। इस पर हमें काम करना है। हमारा मानना है कि देश में शिक्षा महंगी हो गई है। पहली कक्षा के लिए सालाना फीस 1 लाख रुपए से लेकर 2 लाख रुपए के बीच है। इसके अलावा कई जगह डोनेशन भी चलता है। दिपके ने सवाल उठाया कि देश में लोगों की आय इतनी कम है। आखिर वह कैसे अपने बच्चों को इतनी फीस देकर पढ़ा पाएंगे? कॉलेज और कोचिंगों की महंगी फीस कई परिवारों को कर्ज के जाल में फंसा रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कॉकरोच पार्टी छात्रों के और तमाम परिवारों के इस आर्थिक बोझ को कम करना चाहती है। अभिजीत दिपके ने भीम राव अंबेडकर का जिक्र करते हुए कहा कि शिक्षा पर सभी का अधिकार है। शिक्षा को सभी के लिए उपलब्ध होना चाहिए। लेकिन आज के समय में शिक्षा केवल एक मुनाफे का धंधा बन चुकी है।

अभिजीत दिपके की ये बातें भारतीय राजनीति के लिए देजा वू पल समान लग रही हैं। फ्रेंच भाषा से लिए गए इस शब्द का अर्थ है पहले से देखा या महसूस किया हुआ। ज्यादा नहीं बस डेढ़ दशक पहले 26 नवंबर 2012 को आम आदमी पार्टी बनी थी। अरविंद केजरीवाल की बनाई यह पार्टी इंडिया अगेंस्ट करप्शन नाम के अभियान से ही निकली थी। आम आदमी पार्टी ने भी जनता पर पकड़ बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ही जोर दिया। और इसमें कोई संदेह नहीं कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी तो चाहे सरकारी स्कूल हों या मोहल्ला क्लिनिक की अवधारणा इनसे लाखों लोगों की जिंदगी में सहूलियत बढ़ी।

सुविधा नहीं, गरीब के जीवन का आधार है राशन व्यवस्था

श्रुति कुमारी
मुजफ्फरपुर, बिहार

भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। विकास, डिजिटलीकरण और कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा देशभर में होती है, लेकिन क्या यह योजनाएं देश के ग्रामीण क्षेत्रों में एक समान रूप से सभी को लाभान्वित करती हैं? इस पर किसी का ध्यान नहीं जाता है. जबकि हकीकत यह है कि आज भी बिहार जैसे राज्यों के कई ऐसे ग्रामीण इलाके हैं, जहां हजारों गरीब परिवारों को राशन जैसी सुविधा समय पर नहीं मिल पाती है.

जिन घरों की आय इतनी कम है कि रोज कमाकर रोज खाना बनता है, उनके लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि जीवन का आधार है। जब राशन समय पर नहीं मिलता, कम मात्रा में मिलता है या बिना किसी स्पष्ट कारण के राशन कार्ड से किसी सदस्य का नाम काट दिया जाता है, तब इसका सबसे बड़ा असर उन परिवारों पर पड़ता है जिनके लिए दो वक़्त का भरपेट भोजन जुटाना भी किसी चुनौती से कम नहीं है।

बिहार के कई ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार रहते हैं जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं। खेतिहर मजदूर, दिहाड़ी श्रमिक, भूमिहीन किसान और असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोग अक्सर अनिश्चित आय पर निर्भर रहते हैं। बरसात, बाढ़, सूखा या बीमारी जैसे हालात उनकी कमाई को और प्रभावित कर देते हैं। ऐसे समय में सरकारी राशन ही उनके घर का चूल्हा जलाए रखने का सबसे भरोसेमंद सहारा बनता है। यदि किसी महीने राशन मिलने में देरी हो जाए, तो परिवार को भूखे पेट सोने की नौबत तक आ जाती है।

एक आंकड़े के अनुसार बिहार में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लगभग 8.7 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से खाद्यान्न उपलब्ध कराया जाता है। राज्य सरकार के खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अनुसार, लगभग 2 करोड़ से अधिक राशन कार्ड राज्य में सक्रिय हैं, जिनके माध्यम से पात्र परिवारों को हर महीने प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम खाद्यान्न (चावल और गेहूँ) अत्यंत रियायती दरों पर उपलब्ध कराया जाता है। वहीं अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के अंतर्गत आने वाले अत्यंत गरीब परिवारों को प्रति परिवार 35 किलोग्राम खाद्यान्न दिया जाता है। यही व्यवस्था लाखों परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है।

राशन कार्ड का महत्व केवल अनाज प्राप्त करने तक सीमित नहीं है। आज यह अनेक सरकारी योजनाओं तक पहुँच का महत्वपूर्ण दस्तावेज बन चुका है। पात्र परिवारों को राशन मिलने के साथ-साथ कई मामलों में आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य सुरक्षा का लाभ भी मिलता है। इसके अतिरिक्त कई सरकारी योजनाओं में पात्रता निर्धारित करने, पहचान प्रमाण के रूप में उपयोग करने तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ने में भी राशन कार्ड महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यही कारण है कि यदि किसी व्यक्ति या परिवार का नाम राशन कार्ड से हट जाता है, तो उसका प्रभाव केवल भोजन तक सीमित नहीं रहता, बल्कि स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और अन्य सरकारी सुविधाओं पर भी पड़ता है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब नाम दोबारा जुड़वाने के लिए गरीब परिवारों को अनावश्यक खर्च या रिश्वत देने के लिए मजबूर होना पड़ता है। जिन लोगों के पास अपने बच्चों की पढ़ाई, दवा या भोजन के लिए पैसे नहीं होते, वे केवल अपने अधिकार को वापस पाने के लिए उधार लेकर भी रकम खर्च करने को विवश हो जाते हैं। यह केवल प्रशासनिक लापरवाही का मामला नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा करता है जो सबसे कमजोर लोगों की सुरक्षा के लिए बनाई गई है। मुजफ्फरपुर सहित बिहार के कई ग्रामीण इलाकों में यह शिकायत भी सामने आती है कि उचित मूल्य की दुकानों पर राशन वितरण की तिथि को लेकर स्पष्ट जानकारी नहीं दी जाती। कहीं मशीन खराब होने का बहाना बनाया जाता है तो कहीं खाद्यान्न समय पर नहीं पहुँचने की बात कही जाती है। कई लाभार्थियों को कई बार दुकान तक आना-जाना पड़ता है। रोज मजदूरी करने वाले लोगों के लिए यह केवल आने-जाने का खर्च नहीं, बल्कि पूरे दिन की मजदूरी का नुकसान भी होता है। यदि एक व्यक्ति राशन लेने के लिए दो या तीन दिन तक काम छोड़ता है, तो उसके परिवार की आय पर सीधा असर पड़ता है। डिजिटल व्यवस्था लागू होने के बाद पारदर्शिता बढ़ाने की कोशिशें अवश्य हुई हैं, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में तकनीकी समस्याएं भी सामने आती हैं।

भारत में बढ़ती असमानता और सिकुड़ते अवसर

राजेश पांडेय

> भारत ने आजादी के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया था। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार का झुकाव समाजवाद और पूर्व सोवियत संघ की व्यवस्था की तरफ था। सरकार ने कई उद्योगों की बुनियाद रखी और बड़े बांध बनाए। विशुद्ध पूंजीवाद के पैरोकार कई अर्थशास्त्री देश की अपेक्षाकृत धीमी विकास दर के लिए इस मॉडल को जिम्मेदार मानते हैं। खासतौर से 2014 के बाद तो देश की तमाम समस्याओं का ठीकरा नेहरू के कार्यकाल पर फोड़ने का सिलसिला चल पड़ा है। बहरहाल, पं. नेहरू के दौर में बने एक विराट सार्वजनिक क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए। कुछ नए शहर अस्तित्व में आए, अर्थव्यवस्था को सहारा मिला और अवसरों में आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ी थी।

भारत की आबादी में युवाओं की संख्या 29 से 30 फीसदी के बीच होने का अनुमान है। चीन सहित कई देशों की तरक्की के पीछे युवाओं की अहम भूमिका रही है। अब बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से ऐसे देशों में काम करने वाली आबादी का प्रतिशत घटा है। उनकी अर्थव्यवस्था में गिरावट का एक कारण यह भी है। इस दृष्टि से भारत की बहुत अनुकूल स्थिति है।

भारत को हमेशा चमकीली संभावनाओं का देश माना जाता है। पुराने दौर में उसके लिए सोने की चिड़िया विशेषण का इस्तेमाल होता था। उसमें दुनिया की बड़ी ताकत के बतौर उभरने की क्षमता रही है। लेकिन वर्तमान स्थिति खोए हुए अवसरों की अनंत कथा के रूप में तब्दील हो गई है। पिछले कुछ वर्षों से देश में आर्थिक असमानता तेजी से बढ़ी है। राजनीतिक सत्ता के समान संपत्ति और साधन चंद लोगों के हाथों में सिमट गए हैं। नीतियों और प्राथमिकताओं में कुछ अमीरों को ज्यादा अहमियत मिल रही है। विश्व बैंक के आंकड़े और कई विशेषज्ञों के निष्कर्ष हालात की सही तस्वीर पेश करते हैं। जानकारी छिपाने और तोड़-मरोड़कर तथ्य पेश करने में माहिर सरकार भी कई बार सच बता देती है।

भारत ने आजादी के बाद मिश्रित अर्थव्यवस्था का मॉडल अपनाया था। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की सरकार का झुकाव समाजवाद और पूर्व सोवियत संघ की व्यवस्था की तरफ था। सरकार ने कई उद्योगों की बुनियाद रखी और बड़े बांध बनाए। विशुद्ध पूंजीवाद के पैरोकार कई अर्थशास्त्री देश की अपेक्षाकृत धीमी विकास दर के लिए इस मॉडल को जिम्मेदार मानते हैं। खासतौर से 2014 के बाद तो देश की तमाम समस्याओं का ठीकरा नेहरू के कार्यकाल पर फोड़ने का सिलसिला चल पड़ा है। बहरहाल, पं. नेहरू के दौर में बने एक विराट सार्वजनिक क्षेत्र ने बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा किए। कुछ नए शहर अस्तित्व में आए, अर्थव्यवस्था को सहारा मिला और अवसरों में आम लोगों की हिस्सेदारी बढ़ी थी। एक बेहद पिछड़े देश ने विकास की दौड़ में बड़े देशों से होड़ करने का सपना देखा था।

विकास के नेहरूवादी मॉडल में आगे जाकर कई सरकारों ने बदलाव किए हैं। लेकिन आर्थिक गैरबराबरी नए शिखर स्पर्श कर रही है। यहां हम आय, संपत्ति, उत्पादन के तुलनात्मक आंकड़ों से विकास की वास्तविक स्थिति का काफी हद तक मूल्यांकन कर सकते हैं। पेरिस इकानॉमिक्स स्कूल की विश्व असमानता रिपोर्ट 2026 के मुताबिक भारत में कुछ लोगों के हाथ में संपत्ति और आय के जमा होने का स्तर चरम पर पहुंच गया है। वह दुनिया के सबसे ज्यादा असमान देशों की श्रेणी में आता है। राष्ट्रीय आय के 58 प्रतिशत हिस्से पर टॉप दस प्रतिशत लोगों का कब्जा है। दूसरी ओर सबसे निचली सीढ़ी पर बैठे 50 प्रतिशत लोगों के हिस्से में सिर्फ 15 प्रतिशत आमदनी आई है। कुल राष्ट्रीय आय के 40 प्रतिशत के मालिक एक फीसदी लोग हैं। विश्व बैंक की जुलाई 2026 में जारी एक रिपोर्ट में भारत को निम्न मध्यम आय की अर्थव्यवस्था बताया गया है। यह दर्जा 2009 से चल रहा है। मतलब पिछले 15-16 वर्षों से स्थिति लगभग यथावत है।

भारत के महाशक्ति बनने की संभावनाएं वर्षों से जताई जा रही हैं। 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद तो विश्व गुरु, दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था सहित कई दावे जोर-शोर से किए जा रहे हैं। लेकिन इन दावों पर संदेह बढ़ा है। इंडियन एक्सप्रेस में अभी हाल प्रकाशित सी राजामोहन के लेख में दो विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया है कि भारत में बड़ी ताकत बनने की कई खूबियां हैं पर इतनी नहीं कि वह दुनिया की व्यवस्था को आकार दे सके। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के इतिहासकार ब्रेंडन सिम्स ने अपनी नई किताब- द रिटर्न ऑफ ग्रेट पावर्स में भारत को फ्रांस, जर्मनी और जापान के साथ महाशक्ति बनने की कगार पर खड़े देशों की सूची में रखा है। वे लिखते हैं यदि अगले दशक में भारत का कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) ब्रिटेन, जापान और जर्मनी से अधिक हो जाता है तब भी वह अमेरिका और चीन से बहुत पीछे तीसरे स्थान पर रहेगा। फॉरेन अफेयर्स पत्रिका में एक लेख में टफ्ट्स यूनिवर्सिटी के माइकेल बेकले की दलील है, विश्व राजनीति में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका तो बनी रहेगी लेकिन अपनी कई घरेलू कमजोरियों के कारण उसके वास्तविक महाशक्ति बनने की संभावना नहीं है।

ये घरेलू कमजोरियां कौन सी हैं? 2014 के बाद धार्मिक ध्रुवीकरण बढ़ा है, सरकारी एजेंसियों की कार्रवाई ने राजनीतिक दलों के साथ औद्योगिक, व्यावसायिक हलकों में डर पैदा किया है। उद्योगपति निवेश करने में हिचकिचा रहे हैं। केंद्र सरकार के मंत्री कभी चेतावनी तो कभी सवाल पूछने के अंदाज में कहते हैं, समझ में नहीं आता है उद्योगपति निवेश करने से पीछे क्यों हट रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल में प्राइवेट सेक्टर का निवेश जीडीपी के 11 प्रतिशत पर आ गया है। वहीं मनमोहन सिंह के कार्यकाल में यह 14 प्रतिशत था। यह स्थिति उस वक्त है जब मोदी सरकार ने कॉरपोरेट टैक्स की दर 2019 में 30प्रतिशत से घटाकर 22प्रतिशत कर दी।

अब उद्योगपति सरकार के फैसलों, उसकी नीतियों पर सवाल उठाने की बजाय उसकी तारीफ करने में लगे रहते हैं। हर बजट का जमकर स्वागत होता है। कुछ साल पहले तक उद्योगपति राहुल बजाज सरकार के खिलाफ खुलकर बोलते थे। फरवरी 2022 में उनके निधन के बाद उद्योग क्षेत्र से ऐसी कोई असरदार आवाज सामने नहीं आई है। कॉरपोरेट सेक्टर जोखिम भी नहीं उठा रहा है। उसका ध्यान किराए, ब्याज, शेयर बाजार के लाभांश और वायदा बाजार जैसी रेंटियर गतिविधियों पर ज्यादा है। 2012-13 से 2023-24 के आयकर रिटर्न के आंकड़ों का विश्लेषण बताता है, व्यावसायिक गतिविधियों से कंपनियों की कुल कर योग्य आय 57.3प्रतिशत से गिरकर 54.3प्रतिशत पर आ पहुंची थी।

न्यूयॉर्क के थिंक टैंक रोडियम ग्रुप और ऑस्ट्रेलियाई थिंक टैंक लोवी इंस्टीट्यूट का निष्कर्ष है, मैन्युफैक्चरिंग में भारत आगे नहीं बढ़ सका है। चीन की अर्थव्यवस्था में गिरावट और अमेरिका से व्यापार युद्ध ने दूसरे देशों के लिए आर्थिक फायदा उठाने के मौके बनाए हैं। लेकिन भारत के मुकाबले इस स्थिति को वियतनाम, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको जैसे देशों ने ज्यादा भुनाया है। पश्चिमी देशों की कई कंपनियों ने अपनी मैन्युफैक्चरिंग चीन से हटाकर इन देशों में स्थानांतरित कर दी है।

निजी क्षेत्र के निवेश में गिरावट के बीच कुछ अमीरों की संपत्ति तेज रफ्तार से बढ़ रही है। दो उद्योगपतियों मुकेश अंबानी और गौतम अडानी के बीच आगे निकलने की जबर्दस्त होड़ है। फोर्ब्स की सूची के अनुसार 2026 के मध्य में 8.84 लाख करोड़ रुपए की कुल संपत्ति के साथ अडानी भारत के सबसे अमीर शख्स थे। 2021 में उनकी संपत्ति 7.12 लाख करोड़ रुपए थी। उन्होंने पांच साल से कम समय में अपनी संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपए का इजाफा कर लिया है।

सरकारी स्कूल बचेंगे तो शिक्षा, संस्कार और संस्कृति भी बचेगी

डॉ. सत्यवान सौरभ

किसी भी राष्ट्र की वास्तविक ताकत उसके विशाल भवनों, चौड़ी सड़कों, ऊँची इमारतों या आर्थिक विकास दर से नहीं मापी जाती। किसी देश की सबसे बड़ी शक्ति उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा ही वह आधार है जिस पर सभ्यता, संस्कृति, लोकतंत्र, सामाजिक न्याय और आर्थिक प्रगति का पूरा ढाँचा खड़ा होता है। यदि शिक्षा व्यवस्था मजबूत होगी तो समाज मजबूत होगा; यदि शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव आने वाली कई पीढ़ियों तक दिखाई देगा।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सरकारी विद्यालय केवल पढ़ाई के केंद्र नहीं हैं, बल्कि सामाजिक समानता के सबसे बड़े संस्थान भी हैं। यहाँ किसान का बेटा, मजदूर की बेटी, दुकानदार का बच्चा और सरकारी कर्मचारी का पुत्र एक ही कक्षा में बैठकर शिक्षा प्राप्त कर सकता है। यही वह व्यवस्था है जो समाज में समान अवसर की भावना को जन्म देती है। यदि यह व्यवस्था कमजोर पड़ती है, तो शिक्षा धीरे-धीरे आर्थिक क्षमता पर निर्भर हो जाती है और समाज दो हिस्सों में बँटने लगता है—एक वह जो महँगी शिक्षा खरीद सकता है और दूसरा वह जिसे सीमित अवसरों से ही संतोष करना पड़ता है।

आज दुर्भाग्य से यह धारणा तेजी से फैल रही है कि अच्छी शिक्षा केवल निजी विद्यालयों में ही मिल सकती है। अंग्रेजी माध्यम को गुणवत्ता का पर्याय मान लिया गया है। अभिभावक अपनी आय का बड़ा हिस्सा निजी विद्यालयों की फीस, परिवहन, पुस्तकों और अन्य खर्चों पर लगाने को मजबूर हैं। दूसरी ओर, सरकारी विद्यालयों के प्रति उदासीनता बढ़ी है। यह प्रवृत्ति केवल शिक्षा का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक संतुलन का भी प्रश्न है।

यह सच है कि कुछ सरकारी विद्यालय संसाधनों, शिक्षकों की कमी या प्रशासनिक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि देश के हजारों सरकारी विद्यालय उत्कृष्ट परिणाम दे रहे हैं। अनेक सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी प्रशासनिक सेवाओं, सेना, चिकित्सा, इंजीनियरिंग, खेल और शोध जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल कर रहे हैं। समस्या पूरे सरकारी तंत्र की नहीं, बल्कि उसकी असमान गुणवत्ता, सार्वजनिक धारणा और निरंतर सहयोग की कमी की भी है।

शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य व्यक्ति को अच्छा नागरिक बनाना, सही और गलत में अंतर करना सिखाना, संविधान के प्रति सम्मान विकसित करना और समाज के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जगाना भी है। यदि शिक्षा केवल परीक्षा और अंकों तक सीमित हो जाए तो वह अधूरी शिक्षा है। संस्कार, सहिष्णुता, अनुशासन, सहयोग और संवेदनशीलता जैसे मूल्य भी शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं।

सरकारी विद्यालयों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलते हैं। विविध सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के बच्चों का एक साथ पढ़ना लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करता है। बच्चे एक-दूसरे की परिस्थितियों को समझते हैं, विविधता का सम्मान करना सीखते हैं और सामाजिक समरसता विकसित होती है। इसके विपरीत यदि शिक्षा पूरी तरह आर्थिक वर्गों में बँट जाएगी तो सामाजिक दूरी भी बढ़ेगी।

आज अपराध, नशाखोरी, हिंसा, साइबर अपराध और सामाजिक असहिष्णुता जैसी समस्याओं पर गंभीर चर्चा होती है। इन समस्याओं के अनेक कारण हैं—बेरोजगारी, सामाजिक असमानता, पारिवारिक विघटन, अवसरों की कमी और मूल्य-आधारित शिक्षा का अभाव। यह कहना उचित नहीं होगा कि इन सभी समस्याओं का कारण केवल शिक्षा व्यवस्था है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि एक मजबूत, समावेशी और मूल्य-आधारित शिक्षा व्यवस्था इन चुनौतियों को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

इसीलिए सरकारी विद्यालयों को केवल भवन, कमरे और फर्नीचर के रूप में नहीं देखना चाहिए। वे सामाजिक परिवर्तन के केंद्र हैं। यदि इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित शिक्षक और समुदाय का सहयोग मिलेगा तो उनका प्रभाव केवल विद्यार्थियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज पर पड़ेगा।

अक्सर यह प्रश्न पूछा जाता है कि यदि निजी विद्यालय बेहतर हैं तो लोग सरकारी विद्यालयों की चिंता क्यों करें? इसका उत्तर बहुत सरल है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सार्वजनिक शिक्षा व्यवस्था कमजोर होने का प्रभाव अंततः पूरे समाज पर पड़ता है। जब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा केवल कुछ लोगों तक सीमित रह जाती है, तब अवसरों की असमानता बढ़ती है। असमानता बढ़ने पर सामाजिक तनाव, आर्थिक विषमता और असंतोष भी बढ़ते हैं। इसलिए सरकारी विद्यालयों की मजबूती केवल गरीबों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का हित है।

ग्रामीण भारत में सरकारी विद्यालयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण है। अनेक गाँवों में यही एकमात्र ऐसा संस्थान है जहाँ बच्चों को शिक्षा का अवसर मिलता है। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता बेहतर होगी तो गाँवों से पलायन कम होगा, स्थानीय प्रतिभाएँ आगे आएँगी और ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी। इसके विपरीत यदि ग्रामीण शिक्षा कमजोर होगी तो उसका प्रभाव रोजगार, कृषि, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास तक दिखाई देगा।

शिक्षक इस पूरी व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। समाज को चाहिए कि वह शिक्षकों के प्रति सम्मान का वातावरण बनाए। साथ ही शिक्षकों का दायित्व भी है कि वे केवल पाठ्यक्रम पूरा करने तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ। एक प्रेरित शिक्षक कई पीढ़ियों का भविष्य बदल सकता है।

अभिभावकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। विद्यालय केवल शिक्षकों के भरोसे नहीं चल सकते। यदि माता-पिता नियमित रूप से विद्यालय जाएँ, शिक्षकों से संवाद करें, बच्चों की पढ़ाई में रुचि लें और विद्यालय की गतिविधियों में भाग लें, तो शिक्षा का स्तर स्वतः बेहतर होगा। विद्यालय और परिवार का सहयोग ही सफल शिक्षा की कुंजी है।

स्थानीय समाज, पंचायतें, पूर्व विद्यार्थी, सामाजिक संगठन और जनप्रतिनिधि भी सरकारी विद्यालयों के विकास में भागीदार बन सकते हैं। पुस्तकालय, खेल सामग्री, पौधारोपण, स्वच्छता अभियान, करियर मार्गदर्शन और डिजिटल संसाधनों जैसी अनेक पहलें सामुदायिक सहयोग से संभव हैं। जब पूरा समाज विद्यालय को अपना समझता है, तब विद्यालय भी समाज का गौरव बन जाता है। सरकारों की जिम्मेदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गाँव की हर चीज चाहिए, लेकिन गाँव नहीं चाहिए

डॉ. प्रियंका सौरभ

"गाँव की हर चीज चाहिए, लेकिन गाँव नहीं चाहिए।" यह एक साधारण-सा वाक्य नहीं, बल्कि आधुनिक भारतीय समाज की बदलती मानसिकता का सटीक चित्रण है। हम गाँव के शुद्ध दूध की बात करते हैं, देसी घी की प्रशंसा करते हैं, जैविक अनाज खरीदने के लिए अधिक कीमत चुकाने को तैयार रहते हैं, गाँव के फलों और सब्जियों को स्वास्थ्य का आधार मानते हैं, गाँव की संस्कृति, लोकगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक जीवन को अपनी पहचान बताते हैं, लेकिन जब स्वयं गाँव में रहने की बात आती है तो अधिकांश लोग उससे दूरी बनाना चाहते हैं। यह विरोधाभास केवल जीवन-शैली का नहीं, बल्कि विकास की हमारी अवधारणा का भी प्रश्न है।

भारत को सदियों से गाँवों का देश कहा जाता रहा है। आज भी देश की बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है। हमारी अर्थव्यवस्था की नींव कृषि पर टिकी है और कृषि गाँवों के बिना संभव नहीं। फिर भी विडंबना यह है कि गाँव का उत्पाद सम्मान पाता है, लेकिन गाँव स्वयं उपेक्षा का शिकार है। हम गाँव से सब कुछ लेना चाहते हैं, पर गाँव को वह सम्मान, सुविधाएँ और अवसर देने में पीछे रह जाते हैं जिनका वह अधिकारी है।

आज शहरों में "ऑर्गेनिक" का बड़ा बाजार है। गाँव का गेहूँ, बाजरा, सरसों का तेल, देसी दालें और ताजी सब्जियाँ ऊँचे दामों पर बिकती हैं। लोग गाँव के शहद, देसी गुड़ और मोटे अनाज को स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। लेकिन इन उत्पादों को पैदा करने वाले किसान का जीवन अक्सर संघर्षों से भरा रहता है। जिस किसान की मेहनत शहर के लोगों की थाली सजाती है, उसी किसान के बच्चे बेहतर शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए शहरों की ओर पलायन करने को विवश हैं।

ग्रामीण जीवन की सबसे बड़ी पूँजी उसके सामाजिक संबंध रहे हैं। सुख-दुःख में पूरा गाँव एक परिवार की तरह खड़ा होता था। विवाह, त्योहार, फसल कटाई या किसी संकट की घड़ी—हर अवसर सामूहिकता का प्रतीक होता था। आज शहरी जीवन में लोग इसी अपनत्व की तलाश करते हैं। बड़े-बड़े अपार्टमेंटों में रहने वाले लोग अपने पड़ोसी तक को नहीं जानते। दूसरी ओर गाँव की चौपाल, पीपल की छाँव और सामूहिक संवाद अब धीरे-धीरे स्मृतियों में बदलते जा रहे हैं। हम उस आत्मीयता की प्रशंसा तो करते हैं, लेकिन उसे बचाने के लिए कुछ नहीं करते।

शिक्षा और रोजगार की तलाश ने गाँवों से युवाओं का पलायन तेज किया है। यह पलायन केवल आर्थिक नहीं, सांस्कृतिक भी है। पढ़ा-लिखा युवा शहर में बसना अपनी सफलता मानने लगा है। गाँव लौटना उसे पिछड़ेपन का प्रतीक लगता है। परिणामस्वरूप गाँवों में बुजुर्ग, महिलाएँ और बच्चे अधिक रह गए हैं, जबकि युवाओं की ऊर्जा शहरों में खप रही है। यदि गाँवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ, उद्योग और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध हों, तो बड़ी संख्या में लोग अपने गाँव में ही रहना पसंद करेंगे।

यह भी सच है कि गाँवों में अनेक चुनौतियाँ हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, इंटरनेट, पेयजल, स्वच्छता और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी आज भी कई क्षेत्रों में दिखाई देती है। सामाजिक कुरीतियाँ, जातिगत भेदभाव और रूढ़िवादिता जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। इन कमियों को स्वीकार करना आवश्यक है, लेकिन समाधान गाँव से भागने में नहीं, बल्कि गाँव को बेहतर बनाने में है।

आज जब पूरी दुनिया पर्यावरण संकट से जूझ रही है, तब गाँव का महत्व और बढ़ जाता है। स्वच्छ हवा, खुले मैदान, पेड़-पौधे, जल स्रोत और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन गाँव की पहचान हैं। शहरों में कृत्रिम पार्क बनाकर लोग प्रकृति का अनुभव करना चाहते हैं, जबकि गाँव में प्रकृति जीवन का स्वाभाविक हिस्सा है। यदि हमने गाँवों को बचाए बिना केवल शहरों का विस्तार किया, तो आने वाली पीढ़ियों को प्राकृतिक जीवन केवल पुस्तकों और चित्रों में देखने को मिलेगा।

कोविड-19 महामारी ने भी हमें गाँव का महत्व समझाया। जब शहरों की आर्थिक गतिविधियाँ ठप हो गईं, तब लाखों लोग अपने गाँव लौटे। गाँव ने उन्हें आश्रय दिया, भोजन दिया और जीवन को फिर से संभालने का अवसर दिया। उस समय यह स्पष्ट हो गया कि गाँव केवल एक भौगोलिक इकाई नहीं, बल्कि संकट के समय समाज की सबसे मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था भी है।

आज आवश्यकता केवल ग्रामीण विकास योजनाएँ बनाने की नहीं, बल्कि विकास की सोच बदलने की है। गाँव को शहर बनाने की नहीं, बल्कि गाँव को उसकी विशेषताओं के साथ आधुनिक सुविधाओं से जोड़ने की आवश्यकता है। अच्छी सड़कें, गुणवत्तापूर्ण विद्यालय, डिजिटल कनेक्टिविटी, आधुनिक अस्पताल, कृषि आधारित उद्योग, कौशल विकास और स्थानीय रोजगार—ये सब गाँव के विकास की वास्तविक आधारशिला हैं। यदि अवसर गाँव में होंगे तो पलायन स्वतः कम होगा।

हमें अपनी शिक्षा व्यवस्था में भी गाँव के प्रति सम्मान का भाव विकसित करना होगा। बच्चों को यह समझाना होगा कि खेती केवल एक पेशा नहीं, बल्कि राष्ट्र की खाद्य सुरक्षा का आधार है। किसान केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षक भी है। गाँव केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता और संस्कृति का मूल स्रोत है।

मीडिया और मनोरंजन जगत की भी इसमें बड़ी भूमिका है। अक्सर गाँव को या तो अत्यधिक पिछड़ा दिखाया जाता है या केवल रोमांटिक रूप में प्रस्तुत किया जाता है। वास्तविक गाँव इन दोनों छवियों से अलग है। वहाँ संघर्ष भी है, संभावनाएँ भी हैं; परंपरा भी है और परिवर्तन की आकांक्षा भी। संतुलित चित्रण ही समाज में सही दृष्टिकोण विकसित कर सकता है।

सरकार, समाज और निजी क्षेत्र को मिलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना होगा। कृषि के साथ पशुपालन, मधुमक्खी पालन, मत्स्य पालन, कुटीर उद्योग, ग्रामीण पर्यटन और हस्तशिल्प को बढ़ावा देकर गाँवों को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। डिजिटल तकनीक और ई-कॉमर्स के माध्यम से गाँव के उत्पाद सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सकते हैं। इससे किसानों और ग्रामीण उद्यमियों की आय भी बढ़ेगी और गाँव में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

गाँव की पहचान केवल खेतों से नहीं, बल्कि उसके संस्कारों से भी है। बड़ों का सम्मान, सामूहिकता, सहयोग, प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और सादगी—ये मूल्य आज भी गाँव की सबसे बड़ी ताकत हैं। आधुनिकता का अर्थ इन मूल्यों को छोड़ देना नहीं, बल्कि इन्हें समय के अनुरूप आगे बढ़ाना है। यदि विकास की दौड़ में हम इन मूल्यों को खो देंगे, तो आर्थिक समृद्धि भी हमें मानसिक संतोष नहीं दे पाएगी।

समाज को यह स्वीकार करना होगा कि शहर और गाँव एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी नहीं, बल्कि पूरक हैं। शहर उद्योग, शिक्षा और सेवाओं के केंद्र हैं, जबकि गाँव कृषि, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधनों के आधार हैं। दोनों का संतुलित विकास ही राष्ट्र को सशक्त बना सकता है।

ग्रामीण खेलों को बचाने की मुहिम, कुश्ती परंपरा को नई पहचान देने में जुटे पहलवान

अमरजीत यादव

उत्तर प्रदेश: आजमगढ़ में ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से विलुप्त होती कुश्ती और पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने के लिए राष्ट्रीय पहलवान अमरजीत यादव लगातार प्रयास कर रहे हैं। भगत सिंह खेल अकादमी के माध्यम से वह अपने सहयोगियों के साथ गांव-गांव जाकर बच्चों और बालिकाओं को कुश्ती सहित अन्य खेलों से जोड़ने का अभियान चला रहे हैं।अमरजीत यादव ने कहा कि कुश्ती जैसी भारत की प्राचीन खेल विधा अब धीरे-धीरे विलुप्त होने की कगार पर पहुंच रही है। नाग पंचमी के अवसर पर ही दंगलों की परंपरा देखने को मिलती है, जबकि पूरे वर्ष इस खेल को बढ़ावा देने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं किए जाते। उन्होंने बताया कि निजामाबाद, मोहम्मदपुर, ठेकमा, मेहनगर, गंधुवई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सीमित संसाधनों के बावजूद खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि पहले ग्रामीण क्षेत्रों में बालिकाओं को खेलों से दूर रखा जाता था, लेकिन अब उन्हें भी बराबरी का अवसर दिया जा रहा है। खेल न केवल बेहतर स्वास्थ्य प्रदान करते हैं, बल्कि बच्चों में अनुशासन, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों का भी विकास करते हैं। अकादमी से जुड़े अरविंद यादव ने कहा कि यदि खेल विभाग और सरकार का पर्याप्त सहयोग मिले, तो गांवों से भी अंतरराष्ट्रीय और ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी तैयार किए जा सकते हैं। उनका कहना है कि ग्रामीण प्रतिभाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं है, लेकिन सुविधाओं और संसाधनों के अभाव में उन्हें संघर्ष करना पड़ता है। अमरजीत यादव ने सरकार से मांग की कि ग्रामीण खेल प्रतिभाओं को आधुनिक प्रशिक्षण, खेल सामग्री और बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि वे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

कैराना पलायन प्रकरण से जुड़े एक लाख के इनामी फुरकान का पुलिस मुठभेड़ में हुआ अंत, मुकीम काला गैंग का था सक्रिय सदस्य

गौरव कुमार

उत्तर प्रदेश: कैराना पलायन प्रकरण से जुड़े कुख्यात अपराधी और एक लाख रुपये के इनामी बदमाश फुरकान को पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ में मार गिराया। मुठभेड़ थाना झिंझाना क्षेत्र की अहमदगढ़ चौकी के अंतर्गत गांव खानपुर कला-रंगाना रोड स्थित जंगल में हुई। पुलिस के अनुसार, मुठभेड़ के दौरान फुरकान का एक साथी गन्ने के खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस टीमों द्वारा कांबिंग अभियान चलाया जा रहा है।पुलिस के मुताबिक, मृतक बदमाश फुरकान पुत्र फैमुद्दीन निवासी कैराना, कुख्यात मुकीम काला गैंग का सक्रिय सदस्य था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, रंगदारी, गैंगस्टर एक्ट समेत कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज थे। लंबे समय से फरार चल रहे फुरकान पर पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, बदमाशों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर पुलिस टीम गांव खानपुर कला के जंगल में पहुंची थी। घेराबंदी के दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें फुरकान घायल हो गया। पुलिस उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान पुलिस का एक जवान हरविंदर भी गोली लगने से घायल हो गया, जिसे प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है।

पुलिस के अनुसार, फुरकान का नाम कैराना में दो व्यापारियों की हत्या के चर्चित मामले में भी सामने आया था। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बना था और व्यापारिक परिवारों के पलायन का मुद्दा प्रदेश स्तर पर चर्चा में आया था। पुलिस का कहना है कि फुरकान संगठित अपराध से जुड़ा हुआ था और लूट, रंगदारी सहित कई वारदातों में सक्रिय भूमिका निभाता था। मुठभेड़ की सूचना मिलते ही शामली के पुलिस अधीक्षक, अपर पुलिस अधीक्षक, क्षेत्राधिकारी सहित भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने मौके से एक कार्बाइन, कारतूस और अन्य सामान बरामद किया है। फरार बदमाश की तलाश के लिए पुलिस की कई टीमें जुटी हुई हैं। साथ ही पुलिस फुरकान के आपराधिक इतिहास और उसके नेटवर्क की गहन जांच कर रही है।

महाराष्ट्र में बुजुर्गों की सेवा, सुरक्षा और जनकल्याण के लिए कई अहम पहलें

सुशील दीनानाथ सिंह

महाराष्ट्र: सामाजिक सुरक्षा, बुजुर्गों के कल्याण और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से विभिन्न स्तरों पर कई जनकल्याणकारी पहलें संचालित की जा रही हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अब तक लगभग 500 बुजुर्गों को गोद लेकर उनकी देखभाल, सहायता और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने का कार्य किया गया है। महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से एक गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) को 47 व्हीलचेयर उपलब्ध कराई गई हैं, ताकि जरूरतमंद दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को बेहतर सहायता मिल सके। कल्याण-डोंबिवली शहर में सभी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सीसीटीवी कैमरों और अन्य सुरक्षा व्यवस्थाओं की सघन जांच की जा रही है। प्रशासन यह सुनिश्चित कर

रहा है कि सभी शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पूर्ण रूप से पालन हो।

ठाणे जिले में कानून-व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए किराये पर रहने वाले सभी लोगों का पुलिस सत्यापन कराया जा रहा है। साथ ही प्रत्येक सोसायटी के प्रत्येक विंग के लिए एक जिम्मेदार प्रतिनिधि नियुक्त किया गया है, जो किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की जानकारी तत्काल संबंधित अधिकारियों तक पहुंचा सके। इसके अलावा, जिले में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं, अपराध से जुड़े मामलों और अन्य आवश्यक सहायता के लिए 100 से अधिक स्वयंसेवक घर-घर जाकर लोगों से संपर्क कर रहे हैं।

इस अभियान में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जिनमें कॉरपोरेटर और विधायक भी शामिल हैं, के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, वर्तमान में इस जनसेवा अभियान के अंतर्गत करीब 200 कार्यकर्ता विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इन पहलों का उद्देश्य समाज के जरूरतमंद लोगों तक समय पर सहायता पहुंचाना, नागरिक सुरक्षा को मजबूत करना और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है।

तालाब बनी सड़क, जलभराव से ग्रामीण परेशान, स्कूली बच्चों की सुरक्षा पर भी मंडरा रहा खतरा

श्रवण

उत्तर प्रदेश: बाराबंकी के बाराबंकी जिले के फतेहपुर ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सिहाली के ग्राम कदिराबाद में बारिश के बाद मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या एक बार फिर गंभीर रूप ले चुकी है। सड़क पर कई दिनों तक पानी भरा रहने से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हर वर्ष यह समस्या सामने आती है, लेकिन अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं किया गया। ग्रामीणों के अनुसार, हल्की बारिश होते ही मुख्य मार्ग पूरी तरह पानी से भर जाता है और सड़क किसी तालाब जैसी दिखाई देने लगती है। इससे लोगों का पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है। सबसे अधिक परेशानी स्कूल जाने वाले बच्चों को होती है, जिन्हें रोज इसी

रास्ते से होकर गुजरना पड़ता है।

ग्रामीणों ने बताया कि जलभराव वाले मार्ग के बिल्कुल पास एक कुआं भी स्थित है। सड़क पर पानी भर जाने के कारण रास्ता स्पष्ट दिखाई नहीं देता, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना रहता है। ग्रामीणों का दावा है कि कई बार स्कूली बच्चे फिसलकर कुएं के पास गिर चुके हैं और उन्हें चोटें भी आई हैं। आसपास मौजूद लोगों ने समय रहते बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे बड़ा हादसा टल गया। स्थानीय लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि लंबे समय से शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हो सका है। ग्रामीणों ने व्यंग्य करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों ने सड़क की व्यवस्था ऐसी कर दी है मानो गांव के बाहर ही "स्विमिंग पूल" बना दिया गया हो।

ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से जल्द से जल्द जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने तथा सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है।

एक नजर

श्रद्धा और भक्ति में डूबा कोरांव, सार्वजनिक रुद्राभिषेक के बाद हुआ भव्य भंडारा

इंद्रेश कुमार पांडे/उत्तर प्रदेश: कोरांव प्रयागराज नगर पंचायत कोरांव के गोविंद नगर मोहल्ले में गुरुवार को सार्वजनिक रुद्राभिषेक एवं भव्य भंडारे का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के माहौल में किया गया। भक्त चतुर नाथ गोस्वामी 'नंदी बाबा' के नेतृत्व में आयोजित

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे भगवान शिव के विधिवत रुद्राभिषेक से हुई। इसके बाद आयोजित भंडारे में नगर एवं आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम शाम चार बजे तक चला। नंदी बाबा ने बताया कि मोहल्ले और बाजार के लोगों के सहयोग से चंदा एकत्र कर सार्वजनिक रुद्राभिषेक एवं भंडारे का आयोजन किया गया।

नगर पंचायत कोरांव के वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी पंडित अवध नारायण तिवारी ने भी कार्यक्रम में विशेष सहयोग किया और प्रसाद ग्रहण किया। इस दौरान नंदी बाबा ने भगवान शिव की आराधना करते हुए क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की। उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कृपा सभी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों पर सदैव बनी रहे। आयोजन में कन्हैयाल कोल, सुनील कुमार सोनकर, कल्लू सोनकर समेत नगर के कई गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु मौजूद रहे। पूरे आयोजन के दौरान हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना रहा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में बुधवार शाम हुए सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। सेंगर नदी स्थित जुआ पुल के पास किसी अज्ञात वाहन ने बाइक को पीछे से टक्कर मार दी थी। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान सत्यभान जाटव (38) पुत्र स्वर्गीय राजेश बाबू, निवासी किल्ली रोड, कस्बा बसरेहर, जनपद इटावा के रूप में हुई है। वह बुधवार को अपनी बाइक से थाना फफूंद क्षेत्र के कराही गांव स्थित अपनी ससुराल जा रहे थे।

इसी दौरान सेंगर नदी के जुआ पुल के पास तिराहे पर पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल सत्यभान को पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अजीतमल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें चिचोली अस्पताल रेफर कर दिया गया। देर रात उपचार के दौरान चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अजीतमल कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अज्ञात वाहन की पहचान और चालक की तलाश की जा रही है। मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

सोनभद्र: खड़ी ट्रक से टकराकर बाइक सवार की मौत

सोनभद्र, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग में गुरुवार को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे जा टकराया। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज नगर के दीपनगर निवासी अमरजोत सिंह (२०) पुत्र संतोष सिंह किसी निजी कार्य से मोटरसाइकिल से वाराणसी जा रहा था। वह वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हिन्दुआरी ओवरब्रिज के पास पहुंचा ही था कि तभी एकाएक सड़क किनारे खड़े ट्रक से उसकी बाइक पीछे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी की उसकी कमर की हड्डी, पसली टूट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और एम्बुलेंस से उसे अस्पताल भिजवाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया की वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। थाना प्रभारी रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

योग व प्राकृतिक चिकित्सा से अभ्यर्थियों को स्वस्थ रहने के बताए उपाय

औरैया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत संचालित योग वैलनेस सेंटर, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की ओर से गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय दिल्ली दरवाजा, नगर क्षेत्र औरैया में एक दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्र ने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित योग करने तथा बरसात के मौसम में होने वाले संक्रामक व मौसमी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्याप्त नींद और नियमित योगाभ्यास से बिना दवा के भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

दोस्तों संग घूमने आया युवक मदन सागर तालाब में डूबा, 4 घंटे बाद मिला शव

देवेश यादव

उत्तर प्रदेश: महोबा शहर स्थित मदन सागर तालाब में दोस्तों के साथ घूमने आए एक युवक की डूबने से मौत हो गई। युवक का शव करीब चार घंटे तक चले सर्च ऑपरेशन के बाद स्थानीय गोताखोरों ने तालाब से बरामद किया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, जबकि मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जुट गई। जानकारी के अनुसार, युवक अपने चार दोस्तों के साथ बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर और छोटी चंद्रिका देवी मंदिर के बीच स्थित मदन सागर तालाब घूमने आया था। बताया जा रहा है कि सभी युवक तालाब किनारे बनी पुलिया पर बैठे हुए थे। इसी दौरान अचानक युवक का संतुलन बिगड़ गया और वह तालाब में गिर गया।

युवक को डूबता देख उसके एक साथी ने तुरंत तालाब में छलांग लगाकर उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन गहरे पानी और

प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण वह सफल नहीं हो सका। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया। सूचना के बाद स्थानीय गोताखोरों की टीम ने युवक की तलाश शुरू की। करीब चार घंटे तक लगातार चले सर्च ऑपरेशन के बाद युवक का शव तालाब से बरामद कर लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल पर पहुंच गए, जिससे मौके पर काफी भीड़ जमा हो गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए एसडीएम सदर शिव ध्यान पांडे और क्षेत्राधिकारी नगर रविकांत गौड़ भी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि तालाब, नदी और अन्य जलाशयों के किनारे सावधानी बरतें तथा गहरे पानी वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचें, ताकि इस प्रकार की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

एनटीपीसी कोल माइंस परियोजना की ट्रांसपोर्टिंग से बदहाल हुई सड़क, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

मो. समीर

झारखंड: हजारीबाग जिले के केरेडारी प्रखंड में एनटीपीसी कोल माइंस परियोजना से जुड़ी भारी वाहनों की आवाजाही के कारण क्षेत्र की एक प्रमुख सड़क की स्थिति बेहद खराब हो गई है। स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि पांडू पंचायत को केरेडारी प्रखंड मुख्यालय से जोड़ने वाली महत्वपूर्ण सड़क भारी ट्रांसपोर्टिंग के चलते बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, जिससे आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण हर दिन दुर्घटना का खतरा बना रहता है। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों, स्कूली बच्चों, मजदूरों और राहगीरों को इस मार्ग से गुजरने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर बने गहरे गड्ढों के साथ-साथ भारी वाहनों से उड़ने वाली धूल भी लोगों के लिए परेशानी का कारण

बन रही है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि सड़क की जर्जर हालत के बावजूद अब तक एनटीपीसी प्रबंधन और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से समस्या के समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत और धूल नियंत्रण के उपाय नहीं किए गए तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है। ग्रामीणों ने प्रशासन और एनटीपीसी प्रबंधन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराने, नियमित रखरखाव सुनिश्चित करने तथा भारी वाहनों के संचालन के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया गया तो ग्रामीण और मजदूर आंदोलन करने के लिए मजबूर होंगे।

प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक की संदिग्ध मौत, प्रेमिका समेत 6 पर हत्या का केस दर्ज

श्रवण

उत्तर प्रदेश: फतेहपुर बकेवर थाना क्षेत्र के शकूराबाद गांव में बीते दिन प्रेमिका से मिलने आया प्रेमी की संदिग्ध मौत के बाद पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर प्रेमिका समेत 6 लोगों पर केस दर्ज कर दिया है। जानकारी के अनुसार मृतक अकमल पुत्र मकरुद निवासी टांडा पहाड़पुर जिला अंबेडकर नगर का रहने वाला था मृतक अकमल पुत्र मकसूद का बीते दिनों बकेवर थाना क्षेत्र के शकूराबाद में फांसी के फंदे पर लटकता शव शटर की दुकान से पुलिस ने बरामद किया युवक अपनी प्रेमिका से मिलने सोमवार की रात आया था बताया जा रहा है कि युवती के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध चल रहा था और दोनों लगातार संपर्क में रहते थे।

युवती के बुलाने पर युवक उसके घर पहुंचा था। आरोप है कि युवती के परिजनों ने युवक को पकड़कर शटर वाली दुकान में बंद कर दिया। अगले दिन जब शटर खोला गया तो युवक का शव फंदे से लटका मिला, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।घटना की सूचना मिलते ही बकेवर पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और आसपास के लोगों से पूछताछ की। हालांकि बकेवर पुलिस घटनास्थल की परिस्थितियों तथा अन्य साक्ष्यों के आधार पर पता लगाने में जुटी रही मृतक के भाई अमजद ने थाना बकेवर जनपद फतेहपुर पुलिस को तहरीर दिया और प्रेमिका के परिजनों के ऊपर हत्या के आरोप लगाए जिसमें बकेवर पुलिस ने प्रेमिका और उसकी बहन समेत माता-पिता दो भाई सहित 6 लोगों पर केस दर्ज किया है बकेवर थाना थाना अध्यक्ष दिवाकर सिंह ने कहा मृतक का घटनास्थल पर जाकर जांच पड़ताल की गई मृतक के भाई अमजद की तस्वीर पर प्रेमिका सहित उसके छह परिजनों पर केस दर्ज कर दिया गया है फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026 के मसौदे पर मंत्रिमंडल ने किया विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ईज ऑफ डूइंग बिजनेस बिल, 2026 के मसौदे पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में विचार किया गया। इस प्रस्तावित कानून का उद्देश्य दिल्ली को देश में उद्यम स्थापित करने और संचालित करने के लिए सबसे आसान स्थान बनाने की दिशा में व्यापक सुधार लागू करना है। इससे दिल्ली में नए निवेश को बढ़ावा मिलेगा, उद्योगों का विस्तार होगा और बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं दिल्ली मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदन बाद इस विधेयक को आवश्यक अग्रेतर कार्रवाई के लिए गृह मंत्रालय को प्रेषित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने बुधवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए जानकारी दी कि यह प्रस्तावित कानून भारत सरकार के अनुपालन में कमी और विनियमन-मुक्ति पहल (चरण-क्क) के तहत तैयार किया गया है। यह जन विश्वास विधेयक, 2023 की भावना के अनुरूप है। दिल्ली सरकार भी अब उद्योगों और निवेशकों के लिए एक आधुनिक, पारदर्शी और निवेश-अनुकूल व्यवस्था विकसित करने की दिशा में यह महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून के अंतर्गत कारोबार से जुड़ी विभिन्न मंजूरियां, पंजीकरण, लाइसेंस, एनओसी और अन्य अनुमतियों के लिए अलग-अलग विभागों के चक्कर लगाने की आवश्यकता समाप्त होगी। इसके लिए सिंगल विंडो सिस्टम स्थापित किया जाएगा, जिसके माध्यम से एक ही ऑनलाइन पोर्टल पर अधिकांश व्यावसायिक सेवाएं उपलब्ध होंगी। भवन निर्माण स्वीकृति, फैक्टरी लाइसेंस, फायर क्लीयरेंस, पानी, सीवर और बिजली कनेक्शन, रेरा पंजीकरण, सहकारी समितियों के पंजीकरण सहित अनेक सेवाएं इसी पोर्टल के माध्यम से तय समय सीमा के भीतर उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि इस पूरी व्यवस्था के संचालन की जिम्मेदारी दिल्ली स्टेट इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (डीएसआईआईडीसी) को सौंपी जाएगी। यही संस्था आवेदन प्राप्त होने से लेकर अंतिम स्वीकृति मिलने तक पूरी प्रक्रिया के लिए एकमात्र जवाबदेह नोडल एजेंसी होगी तथा सभी संबंधित विभाग और नागरिक एजेंसियां इसके माध्यम से समन्वय स्थापित करेंगी। इस कानून की सबसे महत्वपूर्ण विशेषताओं में से एक डीम्ड अप्रूवल की व्यवस्था होगी। यदि कोई सक्षम प्राधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर किसी आवेदन पर निर्णय नहीं लेता है तो संबंधित स्वीकृति, पंजीकरण या एनओसी स्वतः स्वीकृत मानी जाएगी और आवेदक उसे सीधे ऑनलाइन पोर्टल से डाउनलोड भी कर सकेगा। इससे फाइलों के अनावश्यक लंबित रहने और निर्णय में होने वाली देरी समाप्त होगी। उन्होंने कहा कि कम जोखिम वाली गतिविधियों के लिए सेल्फ सर्टिफिकेशन की व्यवस्था लागू की जाएगी। निर्धारित श्रेणियों के अंतर्गत अग्नि सुरक्षा, भवन योजना स्वीकृति, प्रदूषण संबंधी अनुमति तथा लो-टेंशन बिजली कनेक्शन जैसी प्रक्रियाएं स्वयं घोषणा के आधार पर पूरी की जा सकेंगी।

इससे छोटे, कम जोखिम वाले और कम खतरे वाले उद्यम बिना अनावश्यक देरी के अपना कारोबार शुरू कर सकेंगे।

जिन उद्यमों का पहले से जीएसटी, एफएसएसएआई, एमएसएमईडी अधिनियम अथवा लेबर कोड्स के तहत पंजीकरण है, उन्हें अलग से ट्रेड लाइसेंस, हेल्थ ट्रेड लाइसेंस, ईटिंग हाउस लाइसेंस या शॉप्स एंड एस्टैब्लिशमेंट पंजीकरण लेने की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री कहा कि नए पंजीकरण के बाद सामान्य परिस्थितियों में तीन वर्षों तक किसी प्रकार का नियमित निरीक्षण नहीं किया जाएगा। केवल गंभीर प्रकृति की शिकायत मिलने पर ही निरीक्षण किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि सरकार किसी आवेदक से वह दस्तावेज या जानकारी दोबारा नहीं मांगेगी, जो पहले से दिल्ली सरकार के किसी विभाग के पास उपलब्ध है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिसूचित औद्योगिक क्षेत्रों में उद्योगों के विस्तार को प्रोत्साहित करने के लिए एफएआर, ग्राउंड कवरेज, सेटबैक और भवन की ऊंचाई से संबंधित कई विकास नियंत्रण प्रतिबंध हटाने का प्रस्ताव है।

जनसुनवाई सुशासन को सशक्त करने का मंच : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में आयोजित जनसुनवाई के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा जनसुनवाई केवल शिकायतों के निस्तारण का माध्यम नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और सुशासन के संकल्प को सशक्त करने का मंच है। जनसुनवाई में पेंशन, शिक्षा, स्वास्थ्य, आयुष्मान भारत योजना, संपत्ति, नियमितीकरण सहित विभिन्न जनहित से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सभी प्रकरणों की गंभीरता से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई, समयबद्ध समाधान एवं प्रत्येक पात्र नागरिक को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त पेंशन से संबंधित शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता से संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को प्रत्येक मामले की जांच कर पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध रूप से पेंशन का लाभ सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं भी मुख्यमंत्री से मिलने पहुंचीं। इस अवसर पर अनेक महिलाओं ने दिल्ली लक्ष्मी योजना के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। सरकार ने महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए एक नई आशा जगाई है। मुख्यमंत्री ने महिलाओं का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि जनसुनवाई केवल शिकायत दर्ज कराने का मंच नहीं, बल्कि जनता और सरकार के बीच विश्वास का मजबूत सेतु है। दिल्ली सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक नागरिक की समस्या को पूरी संवेदनशीलता, पारदर्शिता और समयबद्ध तरीके से सुना और उसका समाधान किया जाए। दिल्ली की जनता की सेवा ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

अलख पांडे के खिलाफ आपत्तिजनक सामग्री हटाने का आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को फिजिक्सवाला के संस्थापक अलख पांडे के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए दायर मुकदमे में अंतरिम आदेश जारी करते हुए उनके खिलाफ अपमानजनक, अश्लील और अवैध व्यावसायिक इस्तेमाल वाली कुछ वेबसाइटों तथा सोशल मीडिया सामग्री हटाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अनूप जयराम भांभानी की पीठ ने संबंधित प्रतिवादियों को समन जारी किए और गूगल, एक्स (पूर्व ट्विटर), टेलीग्राम तथा लिंक्डइन को संबंधित वेबसाइटों और खातों के पीछे मौजूद लोगों की बुनियादी सब्सक्राइबर जानकारी (बीएसआई) उपलब्ध कराने का आदेश दिया। अदालत ने कहा कि विस्तृत आदेश बाद में जारी किया जाएगा। सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता जे. साई दीपक ने अलख पांडे की ओर से दलील दी कि टेलीग्राम पर उनके चेहरे वाले स्टिकर बनाकर व्यावसायिक रूप से बेचे जा रहे हैं, जिससे एक शिक्षक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा प्रभावित हो सकती है। हाईकोर्ट ने पहले तीन श्रेणियों की सामग्री-व्यक्तित्व का व्यावसायिक शोषण, अश्लील या यौन स्पष्ट सामग्री (व्यंग्य और पैरोडी को छोड़कर) तथा प्रतिरूपण से जुड़े लिंक मांगे थे। हालांकि, अदालत ने एक पैरोडी वीडियो को हटाने से इन्कार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई नवंबर में होगी। तब्बू की याचिका पर सुनवाई आज बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू ने भी व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के लिए दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। उन्होंने अपने नाम, छवि, समानता और अन्य पहचान संबंधी विशेषताओं के अवैध इस्तेमाल (जिसमें एआई जनित सामग्री भी शामिल है) के खिलाफ याचिका दायर की है। जस्टिस ज्योति सिंह की पीठ इस मामले की सुनवाई बृहस्पतिवार को करेंगी।

दिल्ली पुलिस ने वीजा शर्तों का उल्लंघन करने के आरोप में 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस के सेंट्रल जिले ने 11 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इन लोगों ने अपने डबल-एंट्री वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था और हर विजिट के लिए तय समय-सीमा से ज्यादा समय तक रुके थे। यह कार्रवाई ऑपरेशन विस्टा 1.0 (वीजा स्टेटस वेरिफिकेशन) के तहत की गई। यह सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के स्पेशल स्टाफ के फॉरेनर सेल द्वारा शुरू किया गया एक खास एनफोर्समेंट अभियान था, जिसका मकसद उन विदेशी नागरिकों की पहचान करना था जो या तो भारत में तय समय से ज्यादा समय तक रुके थे या राजधानी में रहते हुए अपने वीजा की शर्तों का उल्लंघन किया था। इस ऑपरेशन के तहत, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के एंटी ऑटो थेफ्ट स्क्वाड (एएटीएस) के इंचार्ज इंस्पेक्टर संदीप डबास की अगुवाई में और एसीपी (ऑपरेशन्स) पदम सिंह राणा की कड़ी निगरानी में एक खास पुलिस टीम बनाई गई।

पुलिस ने बताया कि सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात पहाड़गंज इलाके में गश्त के दौरान पुलिस टीम को एक भरोसेमंद सूत्र से पक्की जानकारी मिली कि बांग्लादेश के कुछ नागरिक, जिनके वीजा की मियाद खत्म हो चुकी थी, दिल्ली में गैर-कानूनी तरीके से रह रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने बांग्लादेश के सिलहट के रहने वाले नईम अहमद नामक एक व्यक्ति को पकड़ा और उससे उसकी पहचान और रहने की जगह के बारे में पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि वह बांग्लादेश का नागरिक है और अभी पहाड़गंज इलाके में रह रहा है। उसने अपना बांग्लादेशी पासपोर्ट दिखाया, जिसकी पुलिस ने मौके पर ही जांच की। जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि पासपोर्ट 23 मार्च को जारी किया गया था और भारत में उसके रहने की अनुमति केवल 28 जून तक ही वैध थी। हालांकि, आरोप है कि वह बिना किसी वैध एक्सटेंशन या कानूनी अनुमति के तय समय-सीमा से ज्यादा समय तक देश में रह रहे थे और इस तरह लागू इमिग्रेशन नियमों का उल्लंघन कर रहे थे। लगातार पूछताछ के दौरान नईम अहमद ने कथित तौर पर बताया कि कई अन्य बांग्लादेशी नागरिक भी अपने वीजा की अवधि खत्म होने के बाद दिल्ली में गैर-कानूनी रूप से रह रहे थे।

दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ की कार्रवाई, 23 लाख की दवाएं बरामद

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने 23 लाख रुपए से ज्यादा की दवाएं पकड़ी। एक अंतरराष्ट्रीय यात्री इन दवाओं को बिना जरूरी कागजों के इथियोपिया के अदीस अबाबा ले जाने की कोशिश कर रहा था। सीआईएसएफ के जवानों को यात्री के व्यवहार में कुछ संदिग्ध लगा। प्रोफेशनल सतर्कता दिखाते हुए उन्होंने अदीस अबाबा जा रहे इस यात्री को रैंडम चेकिंग के लिए अलग कर दिया। बैगेज की एक्स-रे स्क्रीनिंग में कुछ तस्वीरें संदिग्ध लगीं। इसके बाद गहन जांच की गई। ईटीडी यानी विस्फोटक ट्रेस डिटेक्शन मशीन में जांच नेगेटिव आई, इसके बावजूद जवानों ने यात्री पर नजर रखी। इमिग्रेशन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद जब यात्री कस्टम के डिपार्चर एरिया में पहुंचा तो उसे रोका गया। शारीरिक जांच में बैग से करीब 23.04 लाख रुपए कीमत की दवाएं मिलीं। पूछताछ में यात्री इतनी महंगी दवाएं ले जाने का कोई वैध दस्तावेज या पर्चा नहीं दिखा सका। इसके बाद यात्री को बरामद दवाओं के साथ आगे की कार्रवाई के लिए कस्टम अधिकारियों को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ ने कहा कि यह कार्रवाई उनकी सतर्क स्क्रीनिंग और दूसरी एजेंसियों के साथ बेहतर तालमेल का नतीजा है। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स देश की प्रमुख केंद्रीय सशस्त्र पुलिस फोर्स में से एक है। यह गृह मंत्रालय के अधीन काम करती है और 10 मार्च 1969 को बनाई गई थी। सीआईएसएफ देश की प्रमुख सुरक्षा बल है जो परमाणु बिजलीघर, अंतरिक्ष केंद्र, तेल क्षेत्र, बंदरगाह और बड़ी इंडस्ट्रीज जैसे महत्वपूर्ण संस्थानों की रक्षा करती है। यह कई व्यावसायिक एयरपोर्ट पर आतंकवाद रोधी व्यवस्था संभालती है, दिल्ली मेट्रो जैसी सेवाओं की सुरक्षा करती है, तय वीआईपी को सुरक्षा देती है।

राधा रमण की जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राधा रमण की जयंती पर प्रदेश कार्यालय राजीव भवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान फल वितरण भी किया गया। देवेन्द्र यादव ने कहा कि राधा रमण स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। उन्होंने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष तथा वर्ष 1972-77 के दौरान दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद के रूप में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने प्रथम लोकसभा और बाद में चांदनी चौक संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए जनसेवा की। उन्होंने कहा कि राधा रमण ने खिलाफत आंदोलन, असहयोग आंदोलन, सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई तथा स्वतंत्रता संग्राम के दौरान पांच बार जेल भी गए। देवेन्द्र यादव ने कहा कि उनके नेतृत्व ने दिल्ली में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिल्ली में डीएमआरसी ने शुरू की हाइड्रोजन बसें

धुआं नहीं, पानी निकलेगा; जानिए रूट, किराया और अन्य खासियत

डीएमआरसी और इंडियन ऑयल के अधिकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) ने दिल्ली के सेंट्रल विस्टा इलाके में हाइड्रोजन से चलने वाली शटल बस सेवा शुरू की है। तो अगर आप इस इलाके में काम करते हैं या यहां आते-जाते हैं तो ये बसें आपके काम आ सकती हैं। इन बसों के रूट, किराया, मिलने वाली सुविधाओं जैसी जरूरी बातें जानिए लाइव हिन्दुस्तान के साथ। सेंट्रल विस्टा के किन इलाकों में चलेगी यह बस? यह सेवा फिलहाल केवल दिल्ली के सेंट्रल विस्टा इलाके में शुरू की गई है। बसें सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशन और सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन के बीच चलेंगी। रास्ते में कर्तव्य भवन, विज्ञान भवन, निर्माण भवन, अकबर रोड, बड़ौदा हाउस, नेशनल स्टेडियम, नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट और इंडिया गेट जैसे प्रमुख सरकारी कार्यालयों और स्थलों को कवर करेंगी। कब और कितने बजे मिलेगी बस? हाइड्रोजन शटल बस सेवा केवल ऑफिस वाले दिनों में चलेगी। क्योंकि इसे कामकाजी लोगों को ध्यान में रखते हुए ही शुरू किया गया है। यानी सोमवार से शुक्रवार तक चलेगी। गजेटेड छुट्टियों पर इसकी सेवाएं नहीं मिलेगीं। अब समय की बात करें तो सुबह 8:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक और फिर शाम 3:30 बजे से 6:30 बजे तक बसें उपलब्ध रहेंगी। हर 30 मिनट पर एक बस मिलेगी।

किराया कितना होगा और भुगतान कैसे करेंगे? इस बसों में किराया स्टेज के हिसाब से तय किया गया है। यात्रियों को 10 रुपये या 15 रुपये का टिकट देना होगा। भुगतान नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (NCMC), वढक या नकद तीनों माध्यमों से किया जा सकेगा। हाइड्रोजन बस क्या है और इसकी खासियत क्या है? अब आप सोच रहे होंगे कि दिल्ली में इलेक्ट्रिक बसें चल तो रही थीं, फिर इन बसों का क्या काम। या फिर इनमें ऐसा क्या खास बात है जो इतना बड़ा-चढ़ाकर पेश किया जा रहा है। दरअसल, हाईड्रोजन का होना ही इसमें अनोखी बात है, जानिए कैसे। नई शटल बसें हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से चलती हैं।

बिना डॉक्टर की सलाह दवा लेना पड़ सकता है भारी, बढ़ रहे एलर्जी के मामले

नई दिल्ली, एजेंसी। बुखार, दर्द या संक्रमण होने पर बिना डॉक्टर की सलाह दवा खरीदकर खाने की आदत लोगों के लिए खतरनाक साबित हो रही है। अस्पतालों में दवा से एलर्जी के मरीज बढ़ रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, एंटीबायोटिक, दर्द निवारक व अन्य दवाओं के गलत सेवन से त्वचा पर चकत्ते, खुजली, चेहरे व होंठों पर सूजन, सांस लेने में तकलीफ और गंभीर मामलों में एनाफिलेक्सिस जैसी जानलेवा स्थिति हो सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकांश लोग पुराने पर्चे, परिचितों की सलाह या मेडिकल स्टोर से सीधे दवा खरीद लेते हैं, जिससे दुष्प्रभाव व एलर्जी का खतरा बढ़ जाता है। कई मरीजों को इमरजेंसी में भर्ती तक करना पड़ता है। डॉक्टरों के अनुसार, दवा के बाद लाल चकत्ते, तेज खुजली, गले व चेहरे पर सूजन, सांस लेने में परेशानी या चक्कर आने पर तुरंत दवा बंद कर चिकित्सकीय सहायता लेनी चाहिए।

एक नजर

साफ पानी के लिए तरस रहे दक्षिणपुरी के 600 परिवार

नई दिल्ली, एजेंसी। देवली विधानसभा क्षेत्र के दक्षिणपुरी एक्सटेंशन स्थित डीडीए फ्लैट्स ब्लॉक-20 में पेयजल संकट विकराल हो गया है। यहां रहने वाले करीब 600 परिवार (लगभग ढाई हजार लोग) रोजाना सिर्फ 10 मिनट की पानी की आपूर्ति पर निर्भर हैं, जिससे घरों की टंकियां नहीं भर पातीं और रोजमर्रा की जरूरतें अधूरी रह जाती हैं। निवासियों का कहना है कि पहले कभी-कभी यह समस्या होती थी, अब रोज की बात हो गई है। कई शिकायतों के बावजूद जल बोर्ड ने कोई सुधार नहीं किया। आरडब्ल्यूए के अनुसार, 10 मिनट की आपूर्ति में चार सदस्यों वाले परिवार की भी जरूरतें पूरी नहीं हो पातीं। मजबूरन लोग दूसरे इलाकों से पानी लाते हैं या बोतलबंद पानी खरीदते हैं, जिससे आर्थिक बोझ बढ़ गया है। निवासियों ने मांग की है कि आपूर्ति अवधि कम से कम 30 मिनट की जाए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों से कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

अल फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी के दो आवेदन खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। साकेत कोर्ट ने अलफलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी द्वारा दायर दो आवेदनों को खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि संज्ञान लेने के चरण में केवल शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत सामग्री पर विचार करना आवश्यक होता है, न कि अभियुक्त द्वारा। सिद्दीकी ने इन दस्तावेजों को दाखिल करने की अनुमति मांगी थी, जिनके माध्यम से वे प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मामले में विरोधाभास उजागर करने का दावा कर रहे थे।

उनके दूसरे आवेदन में एजेंसी को उन दस्तावेजों की सूची उपलब्ध कराने का निर्देश देने की मांग की गई थी, जिन पर अभियोजन शिकायत में निर्भर नहीं किया जा रहा है। 4 अगस्त को दिए आदेश में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने कहा कि यह सुस्थापित कानून है कि संज्ञान के चरण में अदालत को केवल शिकायतकर्ता (इस मामले में अभियोजन शिकायत) द्वारा प्रस्तुत सामग्री पर विचार करना होता है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि प्रक्रिया जारी करने के लिए प्रथम दृष्टया मामला बनता है या नहीं, और यह केवल इतने तक ही सीमित है। अदालत के इस फैसले के बाद सिद्दीकी के आवेदनों पर आगे कोई कार्यवाही नहीं होगी।

मुनिरका में कांवड़ जत्थे को चेयरमैन ने दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली, एजेंसी। मुनिरका गांव स्थित बाबा गंगनाथ मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में शिवभक्तों के जत्थे को एमसीडी दक्षिण जोन के चेयरमैन धर्मवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। हर हर महादेव व बम बम भोले के जयकारों से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया।

धर्मवीर सिंह ने कांवड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा को आस्था, अनुशासन व सेवा का प्रतीक बताया। आरकेपुरम विधायक अनिल शर्मा ने भी श्रद्धालुओं से यातायात नियमों का पालन और संयम बनाए रखने की अपील की। हरी झंडी मिलने के बाद जत्था निर्धारित मार्ग पर रवाना हुआ।

शैक्षणिक संस्थानों में जॉब-ओरिएंटेड कोर्स की मांग वाली जनहित याचिका खारिज की

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को शैक्षणिक संस्थानों में रोजगारपरक (जॉब-ओरिएंटेड) पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए नीति बनाने की मांग वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस करिया की खंडपीठ ने कहा कि यह नीतिगत निर्णय का विषय है और संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत अदालत की रिट अधिकारिता में इस संबंध में कोई निर्देश जारी नहीं किया जा सकता। अदालत ने टिप्पणी की, यद्यपि हम याचिका की प्रार्थना पर कोई अवलोकन नहीं करना चाहते, लेकिन यह आवश्यक है कि वर्तमान में लागू शिक्षा नीति में विभिन्न प्रावधान हैं, जिनमें सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण उपलब्ध है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता सुनील कुमार शर्मा से कहा कि वे अपना मामला सरकार के समक्ष प्रस्तुत करें। अदालत ने कहा, पूरी रिट याचिका वास्तव में कुछ सुझावों के रूप में प्रतीत होती है और तदनुसार याचिका में की गई प्रार्थनाओं का निपटारा अदालत द्वारा संभव नहीं है। अदालत ने सरकार को निर्देश दिया कि वह शर्मा की शिकायतों पर ध्यान दे और उचित निर्णय लेकर उन्हें सूचित करे।

पार्क में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सोनिया विहार इलाके में एक युवक का शव संदिग्ध हालात में मिलने से सनसनी फैल गई। मृतक की शिनाख्त आकाश शुक्ला उर्फ गोलू (27) के रूप में हुई। आकाश का शव साढ़े तीन पुश्ता के पास मौजूद पार्क में मंगलवार सुगह मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया है। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि युवक के शरीर पर चोट के कोई निशान नहीं है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। वहीं पुलिस पार्क के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है। पुलिस के मुताबिक आकाश परिवार के साथ सोनिया विहार इलाके में रहता था। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह रोजाना सुबह के समय पार्क में टहलने के लिए जाता था।

ई सिगरेट सप्लाई रैकेट का भंडाफोड़, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर-पूर्व जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ ने करावल नगर इलाके में अवैध सिगरेट की सप्लाई करने वाले एक रैकेट का भंडाफोड़ किया। इस दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पहचान अंकित (35), विशाल (28) और राहुल (36) के रूप में हुई। तलाशी के दौरान पुलिस को उनके कब्जे से इंडोनेशिया में निर्मित (इन ब्लैक) ब्रांड की 12,640 सिगरेट और एक बाइक बरामद की।पुलिस उपायुक्त राहुल अलवाल ने बताया कि 4 अगस्त को स्पेशल स्टाफ के उप निरीक्षक कौशिक घोष को करावल नगर क्षेत्र में सूचना पर छापा मारा।

ईपीएस 95 पेंशनर्स ने जंतर मंतर पर किया प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। ईपीएस 95 राष्ट्रीय संघर्ष समिति ने बुधवार को न्यूनतम पेंशन 7,500 रुपये प्रतिमाह, महंगाई भत्ता और पेंशनर दंपतियों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा देने की मांग को लेकर जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया। बारिश के बावजूद प्रदर्शन में बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शामिल हुए। साथ ही, प्रदर्शन में कई सांसद भी पहुंचे और पेंशनर्स की मांगों का समर्थन किया। इनमें शिरडी के सांसद भाऊसाहेब वाकचौरे, ठाणे के सांसद नरेश म्हस्के, कल्याण के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे और मावल के सांसद अप्पासाहेब वारने शामिल रहे। समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक राऊत ने बताया कि पिछले 10 सालों से पेंशनर्स शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांग उठा रहे हैं, लेकिन सरकार ने अब तक कोई ठोस फैसला नहीं लिया। उन्होंने बताया कि अब पेंशनर्स का धैर्य खत्म हो रहा है।

संक्षिप्त

8 दिसंबर से शुरू हो रहे नए सीजन में भारतीय महिला टीम की होगी वापसी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय पुरुष और महिला टीमें फरवरी में एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2026-27 में अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। महिला टीम एक सीजन के ब्रेक के बाद इस प्रतियोगिता में वापसी करेगी। इंटरनेशनल हॉकी फेडरेशन (एफआईएच) ने बुधवार को नए सीजन के कैलेंडर की घोषणा की। एफआईएच प्रो लीग का आठवां संस्करण 8 दिसंबर, 2026 से 27 जून, 2027 तक चलेगा, जिसमें सात देशों में 144 मैच खेले जाएंगे। सीजन की शुरुआत अर्जेंटीना में 8 से 13 दिसंबर के बीच होगी, जिसमें मेजबान टीम के साथ चीन की महिला टीम, फ्रांस की पुरुष टीम और ग्रेट ब्रिटेन की पुरुष और महिला टीमें शामिल होंगी।

डिब्रूगढ़ वॉरियर्स ने चराइदेव सनराइजर्स को पांच विकेट से हराया

गुवाहाटी, एजेंसी। इंपीरियल ब्लू पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर असम प्रीमियर लीग के आठवें मुकाबले में डिब्रूगढ़ वॉरियर्स ने शुरुआती झटकों से उबरते हुए चराइदेव सनराइजर्स को पांच विकेट से हरा दिया। बुधवार को असम क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में 121 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए डिब्रूगढ़ ने महज तीन रन पर तीन विकेट गंवा दिए थे, लेकिन इसके बाद टीम ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 17.5 ओवर में 121/5 रन बनाकर 13 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी डिब्रूगढ़ वॉरियर्स की ओर से दोइखो दास ने घातक गेंदबाजी करते हुए 4/33 विकेट लिए, जबकि रोशन आलम ने 3/16 विकेट झटके।
चराइदेव सनराइजर्स की पूरी

छत्तीसगढ़ में 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ सरकार ने वर्ष 2018-19 और 2019-20 के लिए 156 खिलाड़ियों को उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा प्रदान करते हुए चयन सूची बुधवार देर रात जारी कर दी है। इसके साथ ही वर्ष 2016 से लंबित इस प्रक्रिया का इंतजार समाप्त हो गया है। चयनित खिलाड़ी प्रदेश के 20 विभिन्न खेलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। खेल विभाग के अनुसार दोनों वर्षों के लिए कुल 783 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें वर्ष 2018-19 के 344 तथा वर्ष 2019-20 के 439 आवेदन शामिल थे। प्रारंभिक परीक्षण के बाद 651 आवेदन स्क्रूटनी के लिए पात्र पाए गए। इसके बाद उच्चस्तरीय समिति द्वारा अंतिम परीक्षण के उपरांत 156 खिलाड़ियों का चयन उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में किया गया। उत्कृष्ट खिलाड़ी का दर्जा मिलने के बाद चयनित खिलाड़ियों को राज्य शासन के विभिन्न विभागों में आरक्षित पदों पर नियुक्ति का अवसर मिलेगा। राज्य सरकार ने सरकारी विभागों में दो प्रतिशत पद उत्कृष्ट खिलाड़ियों के लिए आरक्षित कर रखे हैं।

तन्वी शर्मा कोरिया मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में

आसन (दक्षिण कोरिया), एजेंसी। भारत की 17 वर्षीय उभरती बैडमिंटन स्टार तन्वी शर्मा ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए कोरिया मास्टर्स 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। गुरुवार को खेले गए दूसरे दौर के मुकाबले में तन्वी ने हमवतन श्रियांशी वालिशेट्टी को 21-16, 17-21, 21-13 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना एक अन्य भारतीय खिलाड़ी रक्षिता श्री रामराज से होगा, जिन्होंने जापान की मानामी सुइज़ू को 22-20, 21-10 से मात दी। पिछले सप्ताह ताइपे ओपन सुपर-300 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली 17 वर्षीय तन्वी ने एक बार फिर अपने जुझारू खेल का परिचय दिया। इस महीने भारत में होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप से पहले उन्होंने लगातार जीत का सिलसिला जारी रखते हुए अपनी दावेदारी मजबूत की।

शाकिब अल हसन के घर पेट्रोल-बम से हमला

पत्थरबाजी और आग लगाने की कोशिश से हड़कंप

- **पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दी गई**
- **मीडिया कार्यक्रम के बाद हुआ हमला**
- **क्या प्रेस कॉन्फ्रेंस है हमले की वजह?**

ढाका, एजेंसी।

बांग्लादेशी ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के मगुरा स्थित घर पर उपद्रवियों ने हमला कर तोड़फोड़ और आगजनी की कोशिश की। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई है।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाकिब अल हसन के घर पर बुधवार शाम हमला हुआ। ये घटना बांग्लादेश के मगुरा जिले में स्थित उनके घर पर हुई, जहां कुछ अज्ञात लोगों ने पत्थरबाजी की, खिड़कियां तोड़ दीं और घर में आग लगाने की कोशिश की। ये हमला उस समय हुआ जब कुछ घंटे पहले ही शाकिब ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लिया था।

पुलिस के मुताबिक ये घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब 8:45 बजे हुई। हमलावरों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, जिससे खिड़कियों के शीशे टूट गए। इसके बाद उन्होंने घर में आग लगाने की कोशिश की। घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि हमले के दौरान धमाके जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिन्हें पटाखों जैसी आवाज बताया गया। स्थानीय मीडिया ने दावा किया कि घर पर पेट्रोल बम भी फेंके गए, हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग की ओर से जारी एक वीडियो में भी शाकिब के घर के बाहर पटाखों जैसी आवाजें सुनाई दे रही हैं।

मगुरा सदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी अब्दुल्ला अल मामुन ने द डेली स्टार से कहा कि कुछ अज्ञात लोगों ने घर पर ईंट-पत्थर फेंके, खिड़कियां तोड़ीं और आग लगाने की कोशिश की। घटना के बाद पुलिस बल को शाकिब के घर के बाहर तैनात कर दिया गया। फिलहाल हमलावरों की पहचान और हमले के कारण का पता नहीं चल पाया है।

ये हमला उस मीडिया कार्यक्रम के कुछ घंटे बाद हुआ, जिसमें शेख हसीना ने नई दिल्ली से वर्चुअल रूप से संबोधित किया था। इस कार्यक्रम का आयोजन फॉरेन कॉरेस्पोंडेंट्स क्लब ऑफ साउथ एशिया ने किया था। अपने संबोधन में शेख हसीना ने जुलाई-अगस्त 2024 के आंदोलन पर अपनी सरकार के रुख का बचाव किया और कहा कि छात्र आंदोलन अचानक नहीं था, बल्कि सत्ता परिवर्तन की एक सुनियोजित साजिश थी।

बांग्लादेश में शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद से राजनीतिक तनाव लगातार बना हुआ है। प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जमात-ए-इस्लामी और नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के नेताओं ने इस कार्यक्रम का विरोध किया था और मीडिया संस्थानों से हसीना का संबोधन प्रसारित न करने की अपील की थी।

अवामी लीग के नेताओं और समर्थकों का आरोप है कि शाकिब के घर पर हुआ हमला उनकी इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूदगी से जुड़ा है। हालांकि बांग्लादेशी अधिकारियों ने अभी तक इस हमले और प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच किसी संबंध की पुष्टि नहीं की है और पुलिस ने भी किसी आरोपी की पहचान नहीं की है।

शाकिब अल हसन बांग्लादेश के सबसे महान ऑलराउंडरों में गिने जाते हैं, लेकिन अवामी लीग से उनके राजनीतिक संबंधों की वजह से वो लंबे समय से विवादों में भी रहे हैं। वो 2024 के आम चुनाव में अवामी लीग के टिकट पर मगुरा-1 सीट से सांसद चुने गए थे। विपक्षी दलों ने उस चुनाव को निष्पक्ष नहीं माना था। अगस्त 2024 में सत्ता परिवर्तन के बाद अवामी लीग की राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

क्या बोली शेख हसीना?

अपने संबोधन में शेख हसीना ने अवामी लीग पर लगे प्रतिबंध को हटाने की मांग की और कहा कि वो तमाम कानूनी चुनौतियों के बावजूद बांग्लादेश लौटेंगी।शाकिब ने अगस्त 2024 में सरकार बदलने के बाद से अब तक बांग्लादेश वापसी नहीं की है।राजनीतिक बदलाव के बाद उनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज किए गए, जिनमें हत्या का मामला भी शामिल है।शाकिब का कहना है कि अगर उन्हें व्यक्तिगत सुरक्षा और निष्पक्ष व्यवहार का भरोसा दिया जाए तो वो बांग्लादेश लौटकर कानूनी प्रक्रिया का सामना करने के लिए तैयार हैं।

मेस्सी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

मियामी, एजेंसी।

लियोनेल मेस्सी ने विश्व कप के बाद पहले दो गोल किये जिसकी मदद से इंटर मियामी ने लीग्स कप में एटलेटिको सान लुईस को 4 . 2 से हराया।

बिजली कड़कने और बारिश के कारण दूसरे हाफ में मैच 30 मिनट के लिये रोकना पड़ा। मेस्सी ने 11वें और 44वें मिनट में गोल किये। उनके अब लीग्स कप में 12 मैचों में 14 गोल हो गए हैं।

टेलास्को सेगोविया और डिफेंडर माइकल ने भी गोल दागे।

विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले मेस्सी अर्जेंटीना को फाइनल तक ले गए थे लेकिन स्पेन ने 1 . 0 से हराकर लगातार दूसरा खिताब जीतने का उनका सपना तोड़ दिया। मेस्सी का विश्व कप के बाद यह दूसरा मैच था । 39 बरस के मेस्सी शनिवार को कोलंबस क्रू के खिलाफ ड्रॉ रहे मैच में 37 मिनट स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर खेले थे । वह मैच 2 . 2 से ड्रॉ रहा था जिसमें मेस्सी गोल नहीं कर सके थे।

आंध्र के आईटी मंत्री ने किया 'पीवी सिंधू सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' का भूमि पूजन

- **पीवी सिंधू की परिकल्पना पर तैयार हो रहा यह स्थल खेल और शिक्षा का एकीकृत केंद्र होगा**

विशाखापत्तनम, एजेंसी।

आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री नारा लोकेश ने बुधवार को ओलंपिक पदक विजेता बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू की मौजूदगी में यहां 'पीवी सिंधु सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' का भूमि पूजन किया।

पद्म भूषण से सम्मानित पीवी सिंधू की परिकल्पना पर तैयार हो रहा यह स्थल खेल और शिक्षा का एकीकृत केंद्र होगा। यहां सात खेलों के प्रशिक्षण के साथ-साथ उच्च स्तरीय कोचिंग, खेल विज्ञान, खिलाड़ियों की रिकवरी (चोट और थकान से उबरना), पोषण, फिटनेस प्रशिक्षण और शैक्षणिक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध कराई जाएंगी। नारा लोकेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "मैंने विशाखापत्तनम के अरिलोवा स्थित गार्डन एरिया में बनने वाले सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस के निर्माण कार्य का शिलान्यास किया। प्रसिद्ध बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू इस केंद्र की स्थापना कर रही है।"

यह केंद्र शहर को खेल, शिक्षा और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण के राष्ट्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके जरिए कोचिंग, प्रतिभा पहचान, शोध सहयोग और सामुदायिक कार्यक्रमों के माध्यम से खिलाड़ियों को नए अवसर मिलेंगे। सिंधू ने कहा, ''यह केंद्र भारतीय खेलों में मेरा सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। अपने पूरे करियर में अर्जित उपलब्धियों का बड़ा हिस्सा मैं ऐसी संस्था बनाने में लगा रही हूं, जो आने वाली पीढ़ियों के लिए अवसर तैयार करेगी। उन्होंने कहा कि उनका सपना ऐसा माहौल तैयार करना है, जहां युवा खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, शिक्षा और अपनी प्रतिभा निखारने के लिए जरूरी सभी सुविधाएं मिल सकें।

श्रीलंका टेस्ट श्रृंखला से पहले स्पिन के खिलाफ खुद को परखेंगे भारतीय बल्लेबाज

- **न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन के सामने उजागर हुई थी**

कोलंबो, एजेंसी।

भारतीय बल्लेबाज अगले सप्ताह श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला से पहले शुक्रवार को 'नॉनडिसक्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब' मैदान पर श्रीलंका एकादश के विरुद्ध खेले जाने वाले तीन दिवसीय अभ्यास मैच में स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अपनी तैयारियों को पुख्ता कोशिश करेंगे।

हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी। श्रीलंका के खिलाफ भी परिस्थितियां कुछ अलग नहीं होंगी।

श्रीलंका के पास विशेष रूप से घरेलू परिस्थितियों में प्रभावी स्पिन आक्रमण है। ऐसे में 15 अगस्त से गॉल में खेले जाने वाले पहले टेस्ट से पहले यह अभ्यास मैच भारतीय बल्लेबाजों के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

कप्तान शुभमन गिल, लोकेश राहुल और यशस्वी जायसवाल जैसे प्रमुख बल्लेबाज श्रीलंका रवाना होने से पहले अपने-अपने घरेलू अभ्यास केंद्रों पर स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर चुके हैं, लेकिन श्रीलंकाई पिचों पर मैच जैसी परिस्थितियों में खेलने का अनुभव उससे कहीं अधिक उपयोगी होगा।

यह तीन दिवसीय मुकाबला खिलाड़ियों को स्थानीय परिस्थितियों से तालमेल बैठाने का अवसर देगा। टीम के कई खिलाड़ी पहली बार श्रीलंका में लाल गेंद के क्रिकेट में उतरेंगे। इस अभ्यास मैच के लिए श्रीलंका एकादश की टीम की घोषणा अभी नहीं हुई है।

भारत ने पिछली बार 2017 में श्रीलंका में टेस्ट श्रृंखला खेली थी और तब से टीम में बड़े बदलाव आ चुके हैं। मौजूदा भारतीय टीम में केवल लोकेश राहुल, कुलदीप यादव और रविंद्र जडेजा को ही श्रीलंका में टेस्ट खेलने का अनुभव है।

चोटिल जसप्रीत बुमराह की अनुपस्थिति में तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करेंगे। उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मानव सुथार और सारांश जैन का साथ मिलेगा।

यश ढुल के ज़बरदस्त शतक से सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने पुरानी दिल्ली 6 को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए बुधवार को अरुण जेटली स्टेडियम में बारिश से प्रभावित 15 ओवर के मैच में पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ नौ विकेट से ज़बरदस्त जीत हासिल की, जिसमें यश ढुल का शानदार शतक भी शामिल था।

पहले बैटिंग करने के लिए बुलाए जाने पर, पुरानी दिल्ली 6 की टीम जल्दी ही ढेर हो गई क्योंकि सेंट्रल दिल्ली किंग्स के पेसर मनी ग्रेवाल ने टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया। किंग्स ने नौवें ओवर में अपने विरोधियों का स्कोर 55/5 कर दिया, जिससे वे पूरी तरह से बैकफुट पर आ गए। जब पारी मुश्किल में थी, तो रोहन राठी और अश्विनी छिल्लर ने मिलकर टीम को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 85 रन की अहम पार्टनरशिप की, जिससे पुरानी दिल्ली 6 को मुश्किल स्थिति से उबरने में मदद मिली।

राठी ने सिर्फ़ 21 गेंदों पर 46 रन की अटैकिंग पारी खेली, जबकि छिल्लर ने 29 गेंदों पर 38 रन बनाकर पारी को संभाला। उनकी पार्टनरशिप की मदद से पुरानी दिल्ली 6 ने 15 ओवर में 140/7 का सम्मानजनक स्कोर बनाया।

मनी ग्रेवाल ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने अपने तीन ओवर में 3/22 के शानदार आंकड़े दिए।

कोरिया मास्टर्स के पहले दौर में हारकर बाहर हुए किदांबी श्रीकांत

आसन, एजेंसी।

भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत का कोरिया मास्टर्स 2026 का सफर पहले ही दौर में समाप्त हो गया। पूर्व विश्व नंबर एक श्रीकांत को पुरुष एकल के मुकाबले में इजरायल के डेनियल डुबोवेंको ने 20-22, 21-14, 21-12 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

पहला गेम करीबी मुकाबले के बाद गंवाने वाले 33 वर्षीय श्रीकांत इसके बाद लय हासिल नहीं कर सके। डुबोवेंको ने दूसरे और तीसरे गेम में लगातार दबदबा बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ सुपर-300 प्रतियोगिता में भारत की पुरुष एकल चुनौती को बड़ा झटका लगा है।

श्रीकांत इस टूर्नामेंट में अमेरिका ओपन में फाइनल तक पहुंचने के बाद मिली लय को बरकरार रखने के इरादे से उतरे थे लेकिन वह आसन में उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं सके।

हालांकि, महिला एकल में भारत की तान्वी शर्मा ने शानदार शुरुआत करते हुए चीन की युआन एन क्यूई को 21-16, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। अब उनका मुकाबला हमवतन श्रीयांशी वालिशेट्टी से होगा, जिससे दूसरे दौर में एक भारतीय खिलाड़ी का आगे बढ़ना तय हो गया है।

इससे पहले पुरुष युगल में पृथ्वी कृष्णमूर्ति रॉय और कृष्ण प्रसाद गरागा की जोड़ी ने बड़ा उलटफेर करते हुए थाईलैंड की चौथी वरीय जोड़ी वोर्रापोल थोंगसा-ंगा और चलोएमपोन चारोएनकिटामोर्न को 21-16, 21-18 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई।

पुरुष एकल क्वालीफाइंग में तुषार सुवीर ने पहले मैच में कनाडा के शौर्य गुल्लैया को 21-15, 21-12 से हराया, लेकिन अंतिम क्वालीफाइंग मुकाबले में जापान के शोगो ओगावा से 10-21, 17-21 से हार गए और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने से एक कदम दूर रह गए।

जोकोविच का बड़ा प्रशंसक हूं, उन्हीं से प्रेरित था मेरा जश्न : सार्थक रंजन

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में ईस्ट दिल्ली राइडर्स पर छह विकेट की शानदार जीत के बाद नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स के कप्तान सार्थक रंजन ने अपनी मैच जिताऊ पारी और अनोखे जश्न का राज खोला। उन्होंने बताया कि वह टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच के बड़े प्रशंसक हैं और उनका जश्न उसी से प्रेरित था।

मैच के बाद सार्थक ने कहा, जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि कप्तान के रूप में यह मेरी पहली जीत है। हमने शुरुआती दो विकेट जल्दी गंवा दिए थे, इसलिए हमारी योजना साझेदारी बनाने और पावरप्ले में ज्यादा पीछे नहीं रहने की थी। यश भाटिया के आने के बाद बल्लेबाजी आसान हो गई। पिछले मैच में भी हमारी अच्छी साझेदारी हुई थी और आज उन्होंने लगातार चौके लगाकर मुझ पर से काफी दबाव कम कर दिया। हमारा ध्यान सिर्फ पारी को आगे बढ़ाने पर था। हमें पता था कि एक बड़ा ओवर जरूर आएगा। हालांकि मैंने नहीं सोचा था कि वह इतना बड़ा होगा, लेकिन सौभाग्य से वह हमारे पक्ष में गया।

अपने अर्धशतक के बाद किए गए जश्न पर सार्थक ने कहा, मैं नोवाक जोकोविच का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मेरा जश्न उन्हें याद करने जैसा था। मैंने उन्हें कई बार जीत के बाद ऐसा जश्न मनाते देखा है और मैं भी उसी तरह जश्न मनाना चाहता था।

ऑफर | **स्टीफन फ्लेमिंग ने दिया माइकल हसी को इंग्लैंड टेस्ट टीम के बैटिंग कोच का अनौपचारिक ऑफर**

इंग्लैंड टीम में हो सकती है ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की एंट्री !

लंदन, एजेंसी।

स्टीफन फ्लेमिंग ने ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज माइकल हसी को इंग्लैंड टेस्ट टीम के बैटिंग कोच का एक अनौपचारिक ऑफर दिया है। दोनों सीएसके में साथ काम कर चुके हैं।

इंग्लैंड टेस्ट टीम के नए मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने अपने कोचिंग स्टाफ को और मजबूत बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्लेमिंग ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज माइकल हसी को इंग्लैंड टेस्ट टीम के बैटिंग कोच के रूप में जुड़ने का प्रस्ताव दिया है। अगर ये फैसला होता है तो एक ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बन सकता है।

बेन स्टोक्स के संन्यास के बाद इंग्लैंड टेस्ट टीम में कई बड़े बदलाव हुए हैं। जो रूट को टीम की कप्तानी सौंपी गई है, जबकि ब्रेंडन मैकुलम की जगह स्टीफन फ्लेमिंग को रेड बॉल टीम का मुख्य कोच बनाया गया है। अब फ्लेमिंग अपने पुराने साथी माइकल हसी को भी टीम के साथ जोड़ना चाहते हैं।

चेन्नई सुपर किंग्स में कर चुके है काम

रिपोर्ट के अनुसार, फ्लेमिंग ने हसी से अनौपचारिक बातचीत करते हुए बैटिंग कोच बनने की इच्छा जताई है। दोनों लंबे समय तक आईपीएल फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स में साथ काम कर चुके हैं। माइकल हसी 2018 तक चेन्नई सुपर किंग्स के बैटिंग कोच रहे थे। इससे पहले वो 2008 से 2013 तक खिलाड़ी के रूप में भी सीएसके का हिस्सा रहे। 2014 में उन्होंने मुंबई इंडियंस का रुख किया और 2015 में चेन्नई के लिए खेलते हुए अपना आखिरी आईपीएल सीजन खेला।

अगर माइकल हसी इंग्लैंड टेस्ट टीम से जुड़ते हैं तो ये पहली बार नहीं होगा जब वो इंग्लैंड के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा बनेंगे। साल 2022 में ऑस्ट्रेलिया में खेले गए T20 विश्व कप के दौरान वो इंग्लैंड टीम के सहायक कोच रहे थे। उस टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने T20 विश्व कप का खिताब भी अपने नाम किया था। अब सबकी नजर इस बात पर है कि क्या आईपीएल में साथ काम करने वाली फ्लेमिंग-हसी की जोड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इंग्लैंड टेस्ट टीम के लिए एक साथ दिखाई देगी या नहीं।

क्या माइकल को मिलेगी जिम्मेदारी?

फिलहाल इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज मार्कस ट्रेस्कोथिक टेस्ट टीम के बैटिंग कोच की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।ऐसे में ये देखना दिलचस्प होगा कि क्या हसी इस भूमिका में उनकी जगह लेते हैं या फिर किसी नई जिम्मेदारी के साथ टीम से जुड़ते हैं।माइकल हसी के अंतरराष्ट्रीय करियर पर नजर डालें तो उन्होंने 2004 से 2013 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 79 टेस्ट, 185 वनडे और 38 T20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। टेस्ट क्रिकेट में उन्होंने 6235 रन बनाए, जिसमें 19 शतक और 29 अर्धशतक शामिल हैं।वनडे में उनके नाम 5442 रन दर्ज हैं, जिसमें 3 शतक और 39 अर्धशतक शामिल रहे।वहीं T20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्होंने 721 रन बनाए और 4 अर्धशतक लगाए।

'यश धुल जिम्मेदारी लेकर टीम को जिताने वाले खिलाड़ी हैं': मनी ग्रेवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2026 में पुरानी दिल्ली-6 पर नौ विकेट की शानदार जीत के बाद सेंट्रल दिल्ली किंग्स के तेज गेंदबाज मनी ग्रेवाल ने टीम के कप्तान यश धुल की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा कि यश धुल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो मुश्किल परिस्थितियों में जिम्मेदारी उठाकर टीम को जीत दिलाना जानते हैं। अरुण जेटली स्टेडियम में बारिश से प्रभावित 15-15 ओवर के मुकाबले में पहले गेंद से और फिर बल्ले से सेंट्रल दिल्ली किंग्स ने शानदार प्रदर्शन किया। मनी ग्रेवाल ने तीन ओवर में 22 रन देकर तीन विकेट चटकाए, जबकि लक्ष्य का पीछा करते हुए यश धुल ने केवल 47 गेंदों में नाबाद शतक जड़कर टीम को आसान जीत दिला दी।

आदित्य चोपड़ा के विश्वास ने मुझे डायरेक्टर बनाया

मशहूर निर्देशक-निर्माता करण जौहर ने सोशल मीडिया के जरिए अभिनेता शाहरुख खान और निर्देशक आदित्य चोपड़ा का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने अपनी पोस्ट के जरिए बताया कि वे आज जो कुछ भी हैं, इन दोनों की बदौलत हैं। करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर शाहरुख और आदित्य चोपड़ा के साथ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उन्होंने लिखा, 'दो बातों ने मेरी पूरी जिंदगी को बदलकर रख दिया।' करण ने पहली बात को समझाते हुए लिखा, 'रात के लगभग 1 बजे आदित्य चोपड़ा ने मुझे फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' में साथ काम करने के लिए कहा। साथ ही, सुझाव दिया कि मुझे निर्देशन में जाना चाहिए और अगर मैंने इस रास्ते को नहीं चुना, तो मैं बहुत बड़ी गलती करूंगा। उस समय मेरी जिंदगी हमेशा एक भागदौड़ जैसी चल रही थी और मैं आगे की पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाला था।'

करण ने बताया कि आदित्य की बात ने उन्हें पूरी रात सोने नहीं दिया और अगली सुबह वे अपने पिता के पास एक साल की मोहलत मांगने के लिए गए। उन्होंने लिखा, 'आदित्य की बात ने मुझे इस कदर प्रभावित किया कि मैं अगली सुबह अपने पिता जी के पास गया और उनसे अपनी जिंदगी का एक साल मांगा। मैंने कहा कि मैं एक साल फिल्म के सेट पर काम करना चाहता हूं। मेरे पिता ने मेरी आंखों में देखा और पूछा, 'बेटा, क्या तुम्हें पता है कि फिल्म के सेट पर क्या करना होता है?'' मैंने साफ कहा, 'नहीं।' फिर उन्होंने पूछा, 'क्या तुम वादा करोगे कि तुम बहुत मेहनत करोगे और हर निर्देश को ध्यान से मानोगे?' इसके बाद उन्होंने कहा, 'यह तुम्हें एक अच्छा प्रोड्यूसर बना सकता है लेकिन डायरेक्टर बनने के लिए सिर्फ और सिर्फ जुनून की जरूरत होती है।'

करण जौहर ने बताया कि उस समय उनके अंदर काम करने का जुनून था, लेकिन भरोसा नहीं था। वो भरोसा आदित्य चोपड़ा को था। उन्होंने अपना दूसरा वाक्य साझा करते हुए लिखा, 'मैं स्विट्जरलैंड की पहाडों को देख रहा था और ऐसा लग रहा था कि जैसे मुझे अपने घर की याद आ रही है और मुझे थोड़ी सहानुभूति चाहिए। तभी शाहरुख खान मेरे पास आए और उन्होंने कहा, 'तू डायरेक्टर बनेगा और तेरी पहली फिल्म मैं करूंगा। मैंने मन ही मन सोचा कि शायद इतनी ऊंचाई पर कम ऑक्सीजन की वजह से वह ऐसा कह रहे हैं और शायद उन्हें पूरी तरह एहसास नहीं है कि वह क्या बोल रहे हैं।' करण ने बताया कि शाहरुख इस बात को लेकर इतने गंभीर थे कि भारत लौटने के बाद उन्होंने करण के पिता से बात की थी।

डेंटिस्ट बनने का दबाव, क्राइम रिपोर्टर बनने की चाह, फिल्मों से जुड़ा 'किस्मत कनेक्शन'

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों की मशहूर एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर आज करोड़ों लोगों के दिलों पर राज करती हैं। लेकिन, उनका पहला सपना फिल्मों में आने का नहीं था, वह टीवी पर आना चाहती थीं, लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में नहीं, बल्कि क्राइम रिपोर्टर बनकर। समय के साथ हालात बदले, फैसले बदले और फिर उन्होंने ऐसा सफर तय किया, जिसने उन्हें टीवी से लेकर बॉलीवुड और साउथ सिनेमा तक एक खास पहचान दिला दी। उनके पिता चाहते थे कि वह डेंटिस्ट बनें, लेकिन उनका मन किसी और फील्ड में था। उन्हें खबरों की दुनिया पसंद थी और उनका सपना क्राइम रिपोर्टर बनने का था। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया था कि वह क्राइम रिपोर्टर बनना चाहती थीं। इसके लिए उन्होंने मास मीडिया की पढ़ाई भी चुनी, लेकिन पढ़ाई के दौरान ही उनकी जिंदगी ने नया मोड़ ले लिया। कॉलेज में पढ़ाई के दौरान मृणाल को टीवी सीरियल का ऑफर मिला। यह फैसला शुरुआत में उनके परिवार को पसंद नहीं आया। उन्हें लगता था कि पढ़ाई पूरी करना ज्यादा जरूरी है। लेकिन, मृणाल ने अपने परिवार को समझाया और आखिरकार अभिनय की दुनिया में कदम रख दिया। साल 2012 में उन्होंने टीवी सीरियल 'मुझसे कुछ कहती... ये खामोशियां' से अपने करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह 'अर्जुन' में नजर आईं। हालांकि, उन्हें सबसे बड़ी पहचान 'कुमकुम भाग्य' में बुलबुल अरोड़ा के किरदार से मिली। इस शो ने उन्हें घर-घर में लोकप्रिय बना दिया और लोगों ने उनके अभिनय को खूब पसंद किया। टीवी पर सफलता मिलने के बाद मृणाल ने फिल्मों की ओर कदम बढ़ाया। सबसे पहले उन्होंने मराठी फिल्मों 'हैलो नंदन', 'विट्टी दांडू' और 'सुराज्य' में काम किया। इसके बाद साल 2018 में फिल्म 'लव सोनिया' से हिंदी फिल्मों में एंट्री की। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता हासिल नहीं कर पाई, लेकिन मृणाल के अभिनय की काफी तारीफ हुई। साल 2019 मृणाल के करियर का बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसी साल वह ऋतिक रोशन के साथ 'सुपर 30' और जॉन अब्राहम के साथ 'बाटला हाउस' में नजर आईं। दोनों फिल्मों ने उन्हें बड़े पर्दे पर मजबूत पहचान दिलाई। इसके बाद उन्होंने 'तूफान', 'धमाका', 'जर्सी', 'गुमराह', 'पिप्पा' और कई दूसरी फिल्मों में काम किया।

मृणाल ठाकुर के करियर को सबसे बड़ी उड़ान तेलुगु फिल्म 'सीता रामम' से मिली। इस फिल्म में उनके अभिनय को दर्शकों और समीक्षकों ने खूब सराहा। इसके बाद 'हाय नन्ना' में भी उन्होंने शानदार काम किया और दक्षिण भारतीय सिनेमा में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। मृणाल ने अपनी निजी जिंदगी के संघर्षों के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था कि करियर की शुरुआत में वह भविष्य को लेकर काफी परेशान रहती थीं। पढ़ाई, परिवार की उम्मीदें और करियर की अनिश्चितता के बीच कई बार वह खुद से सवाल करती थी। बाद में उन्होंने इन मुश्किलों का सामना किया और अपने काम पर पूरा ध्यान दिया।

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में छोड़े कई फिल्मों के ऑफर

उन्होंने बताया कि शुरुआती दिनों में उन्होंने कई फिल्मों के ऑफर इसलिए छोड़ दिए क्योंकि उनमें इंटीमेट सीन थे और वह उस समय ऐसे सीन्स को लेकर सहज नहीं थीं। बाद में उन्होंने अपने परिवार से खुलकर बातचीत की और अपने पेशे की जरूरतों को समझाया। अपने अभिनय के दम पर मृणाल ठाकुर ने कई सम्मान भी हासिल किए हैं। उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड साउथ, फिल्मफेयर ओटीटी अवॉर्ड, साउथ इंडियन इंटरनेशनल मूवी अवॉर्ड्स और इंडियन टेलीविजन एकेडमी अवॉर्ड सहित कई पुरस्कार मिल चुके हैं।

विक्की जैन ने शुरू किया प्रोडक्शन हाउस टाइगर श्रॉफ के साथ बनाएंगे एक्शन फिल्म

विक्की जैन ने प्रोडक्शन हाउस लॉन्च किया है। उनके VJ Frames नाम से प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली पहली फिल्म में टाइगर श्रॉफ नजर आएंगे। इस एक्शन फ्रैंचाइजी के निर्देशन की जिम्मेदारी रेमो डिसूजा संभालेंगे।

एल्विश यादव और अभिषेक बनर्जी भी आएंगे नजर

विक्की जैन चर्चित टीवी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे के पति हैं। विक्की अब फिल्म निर्माता की कुर्सी पर बैठेंगे। अपने बैनर की पहली एक्शन फिल्म में उन्होंने टाइगर श्रॉफ को साइन किया है। उनके अलावा अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी नजर आएंगे।

शुरू हुई शूटिंग, टाइटल तय नहीं

अपने प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले विक्की जैन पहली फिल्म एक्शन फ्रैंचाइजी बना रहे हैं। हालांकि, फिलहाल इसका टाइटल तय नहीं हुआ है। आज शनिवार से इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। अभिनेत्री और विक्की जैन की पत्नी अंकिता लोखंडे ने उन्हें जन्मदिन की बधाई दी है। इसी के साथ प्रोडक्शन हाउस शुरू करने पर शुभकामनाएं भी दी हैं।

टाइगर श्रॉफ वर्क फ्रंट

टाइगर श्रॉफ के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें साजिद नाडियाडवाला की 'बागी 4' में देखा गया था। फिल्म बीते साल सितंबर में रिलीज हुई थी। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर यह सफलता हासिल नहीं कर पाई। वहीं, रेमो डिसूजा की बात करें तो उनके निर्देशन में बनी आखिरी फिल्म अभिषेक बच्चन अभिनीत 'बी हैप्पी' थी।

इश्कनामा और नसीमा को मिले बेशुमार प्यार पर बोलीं शहनाज़ गिल

मुंबई इश्कनामा की रिलीज़ के बाद शहनाज़ गिल इन दिनों फैंस के बेशुमार प्यार में डूबी हुई हैं। फिल्म में उनके निभाए नसीमा के किरदार ने दर्शकों के दिलों को गहराई से छू लिया है। उनकी सादगी, जज़्बात और दमदार अदाकारी की हर तरफ़ तारीफ़ हो रही है। दुनिया भर से लगातार मिल रहे प्यार और सराहना ने इस सफर को उनके लिए और भी खास बना दिया है। इस जबरदस्त रिस्पॉन्स से भावुक होकर शहनाज़ ने फिल्म देखने और उन्हें इतना प्यार देने वाले सभी फैंस के लिए एक दिल छू लेने वाला संदेश साझा किया। उन्होंने कहा, थैंक यू, थैंक यू एवरीवन। मैं अपनी फीलिंग्स बयां ही नहीं कर सकती। आपने इश्कनामा और मेरे किरदार को जितना प्यार दिया है... उसके लिए मैं आपका जितना शुक्रिया अदा करूं, उतना कम है। ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। थैंक यू, थैंक यू सो मच। नसीमा के किरदार को जिस तरह दर्शकों ने अपनाया है, वह शहनाज़ के लिए बेहद खास रहा है। कई लोगों का मानना है कि इश्कनामा में उन्होंने अब तक की अपनी सबसे दिल छू लेने वाली परफॉर्मेंस दी है। फिल्म में उनका भावनात्मक सफर दर्शकों के दिलों में गहरी छाप छोड़ रहा है और उनकी फिल्मी यात्रा में एक और यादगार किरदार जोड़ रहा है। इश्कनामा लगातार दर्शकों का दिल जीत रही है और शहनाज़ का यह संदेश उन तमाम फैंस के लिए उनकी दिल से निकली कृतज्ञता है, जिन्होंने फिल्म के साथ-साथ नसीमा को भी भरपूर प्यार दिया।

एक जैसे किरदार नहीं करना चाहती, अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

कुछ किरदार सिर्फ पर्दे पर नहीं रहते, कलाकार के भीतर भी बस जाते हैं। अभिनेत्री महिमा मकवाना के लिए 'मुसाफिर कैफे' की 'प्रीति' ऐसा ही किरदार रही। महिमा कहती हैं कि इस रोल ने उन्हें खुद को स्वीकार करना और खुद से प्यार करना सिखाया। बातचीत में उन्होंने अपने करियर, इंटीमेट सीन्स, टीवी से फिल्मों तक के सफर और मसूरी में अपने डॉग के नाम पर 'परिंदा कैफे' खोलने के सपने पर खुलकर बात की।

महिमा कहती हैं कि 'मुसाफिर कैफे' की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्हें लगा कि वह प्रीति का किरदार निभाना चाहती हैं। 'जब मैंने पहली बार स्क्रिप्ट पढ़ी, तभी मुझे लगा कि मुझे प्रीति ही बनना है। वह बहुत एस्पिरेशनल है। सोलो ट्रैवल करती है, अपने आसपास के लोगों को अपनापन महसूस कराती है, बहुत अच्छी लिस्नर है और बेहद इमोशनली इंटेलिजेंट है। अगर मुझे कभी असल जिंदगी में प्रीति मिले, तो मैं उससे दोस्ती जरूर करना चाहूंगी। वह ऐसी इंसान है, जो आपको रास्ता भी दिखाएगी और यह भी महसूस कराएगी कि आप अकेले नहीं हैं।'

महिमा के लिए 'प्रीति' सिर्फ एक रोल नहीं रही। वह मानती हैं कि इस किरदार ने उनकी निजी जिंदगी पर भी असर डाला ..'मुझे पहले खुद को स्वीकार करना बहुत मुश्किल लगता था। आसपास का शोर और लोगों की बातें कहीं न कहीं असर करती थीं। लेकिन प्रीति ने मुझे खुद को एक्सेप्ट करना सिखाया। उसने मुझे खुद से प्यार करना सिखाया। मुझे एहसास हुआ कि जब तक आप खुद को आजादी नहीं देंगे... तब तक आप अपने आसपास के लोगों को भी आजादी महसूस नहीं करा पाएंगे। मेरे लिए इससे बड़ा गिफ्ट कोई नहीं हो सकता। मैं यह सिर्फ फिल्म प्रमोट करने के लिए नहीं कह रही हूं। मुझे सच में लगता है कि प्रीति मेरे करियर का सबसे यादगार किरदार रहेगी।'

25 की उम्र तक लगा था, जिंदगी के सारे जवाब मिल जाएंगे

जिंदगी और करियर के इस सफर ने महिमा का नजरिया भी बदला है। वह कहती हैं कि उम्र के साथ हर सवाल का जवाब नहीं मिलता, लेकिन सोच जरूर बदल जाती है 'मुझे लगता था कि 25-26 साल की उम्र तक सब कुछ समझ आ जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं होता। जिम्मेदारियां बढ़ती रहती हैं। जिंदगी में शोर हमेशा रहेगा। फर्क सिर्फ इतना है कि अब मैंने उसके बीच खुद को संभालना सीख लिया है। डर और इंसिक्योरिटी कई बार हमारे दिमाग में ऐसी कहानियां बना देते हैं, जो असल में होती ही नहीं हैं। इसलिए उन विचारों को ज्यादा ताकत नहीं देनी चाहिए। यह सुनने में थोड़ा फिलॉसॉफिकल लगता है, लेकिन यही मेरी रोज की प्रैक्टिस है।' 'मेडिटेशन ने मुझे जिंदगी के शोर से बाहर निकलना सिखाया'।

टीवी से फिल्मों तक का सफर आसान नहीं था, मुझे 15 साल लग गए

सीरीज में में महिमा मकवाना और विक्रांत मैसी पहली बार साथ नजर आए हैं। दोनों ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत टेलीविजन से की थी। महिमा मानती हैं कि आज इंडस्ट्री का नजरिया बदल रहा है और यह प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की एक मिसाल है। 'मेरे लिए विक्रांत मैसी, सुशांत सिंह राजपूत, मृणाल ठाकुर और शाहरुख खान हमेशा प्रेरणा रहे हैं। आप टीवी से आए हों, थिएटर से या कहीं और से... अगर आपके पास मेहनत, धैर्य और साफ विजन है, तो कुछ भी नामुमकिन नहीं है। मुझे यहां तक पहुंचने में 15 साल लगे हैं। कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़े। लेकिन अब वह दौर चला गया है, जब टीवी एक्टर्स को कमतर समझा जाता था। हमारा प्रोजेक्ट भी उसी बदलाव की मिसाल है।'

अच्छे काम को देती हूं प्राथमिकता

करियर के फैसलों को लेकर भी महिमा जल्दबाजी में यकीन नहीं रखतीं 'बहुत सारी चीजें हमारे कंट्रोल में नहीं होतीं। लेकिन मेरे फैसले हमेशा सोच-समझकर होते हैं। आखिर में मैं अपने इंस्टिंक्ट की सुनती हूं। मेरी क्लैरिटी बस इतनी है कि मुझे अच्छे लोगों के साथ अच्छा काम करना है। प्लेटफॉर्म मेरे लिए मायने नहीं रखता। अगर दर्शक आपसे जुड़ जाते हैं, तो वही सबसे बड़ी बात है। सीरीज 'शो टाइम' के बाद मेरे पास कई एक जैसे ऑफर आए, लेकिन मैं खुद को दोहराना नहीं चाहती थी। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूं, जिनमें कुछ नया हो और कुछ मीनिंग हो। जब तक मैं खुद किसी किरदार पर भरोसा नहीं करूंगी, उसे ईमानदारी से निभा भी नहीं पाऊंगी।'

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **सुनील कुमार** द्वारा वी-22 खजूर वाली गली नम्बर-2 अरविंद नगर, घोंडा दिल्ली-110053 से प्रकाशित एवं कारे प्रिंटिंग प्रेस 574ए विजय पार्क गली नम्बर-2 मौजपुर दिल्ली-110053 से मुद्रित।
किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। **सम्पादक : सुनील कुमार** RNI NO.- DELHIN/2007/22401